

संक्षिप्त समाचार

पेंशन में अब मनमानी कटौती नहीं सरकार ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने करोड़ों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि एक बार अधिकृत (फाइनल) की गई पेंशन परिवारिक पेंशन में कटौती नहीं होगी, जब तक कि उसमें स्पष्ट लेखन क्लेरिकल या गणना संबंधी त्रुटि साबित न हो। यह आदेश कर्मचारी, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने जारी किया है। नई व्यवस्था के अनुसार, यदि किसी पेंशन या पारिवारिक पेंशन में कोई त्रुटि दो साल से अधिक समय बाद पाई जाती है, तो उसे घटाने से पहले पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है- ‘एक बार जब पेंशन या पारिवारिक पेंशन को अंतिम रूप से अधिकृत कर दिया गया है या 2021 के नियम 66(1) के तहत संशोधित किया गया है, तो उसे पेंशनर के नुकसान में तब तक संशोधित नहीं किया जा सकता, जब तक कि कोई क्लेरिकल गलती न पाई जाए। विभाग ने आगे कहा, ‘यदि ऐसी गलती पेंशन तय होने या संशोधित होने की तारीख से दो साल बाद पाई जाती है।

भूल कर भी इस सेविंग्स ऐप में न करें निवेश

मुंबई। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने निवेशकों को एक बड़े ऑनलाइन घोटाले से आगाह किया है। ‘कोस्टा सेविंग्स’ नामक ऐप के खिलाफ कई शिकायतें मिल चुकी हैं, जहां असामान्य रूप से ऊंचे रिटर्न के झूठे वादों से लोगों को ठगा जा रहा है। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है, लेकिन यह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई), सेबी या किसी अन्य नियामक संस्था से मान्यता प्राप्त नहीं है। पुलिस का कहना है कि यह एक धोखाधड़ी का प्लेटफॉर्म है, जो लोगों के पैसे हड़पने के लिए बनाया गया लगता है। आर्थिक अपराध शाखा को पिछले कुछ दिनों में दर्जनों शिकायतें मिली हैं। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि ऐप के विज्ञापनों में 20-30 प्रतिशत तक मासिक रिटर्न का लालच दिया जाता है, जो किसी भी वैध निवेश से असंभव है। जानकारी के मुताबिक, ऐप के सर्वर विदेशी हैं।

साथियों ने ही टैक्सरी झाड़वर को पीट-पीटकर मार डाला

मुंबई। मुंबई के साकीनाका पुलिस थाना क्षेत्र से एक चोंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक टैक्सरी झाड़वर की उसके साथ रहने वाले साथियों ने सिर्फ इसलिए बेरहमी से हत्या कर दी, क्योंकि वह सोमवार रात को रोज की तरह उनके लिए खाना नहीं लाया था। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर चार आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बाकी तीन को तलाश सरगर्मी से जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के रहने वाले प्रांच टैक्सरी झाड़वर साकीनाका में एक ही कमरे में किराए पर रहते थे। इनमें से 42 वर्षीय जावेद खान भी एक था।

बिहार चुनाव पहले चरण का मतदान खत्म

तेजस्वी यादव समेत कई दिग्गजों की किस्मत ईवीएम में हुई कैद

पटना/ एजेंसी

बिहार विधानसभा के पहले चरण के लिए 18 जिलों के 121 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान शाम 6 बजे संपन्न हो गया। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, बिहार राज्य के इतिहास में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत हासिल करने की ओर अग्रसर है। हालांकि, अभी आंकड़े शाम पांच बजे तक के ही आए हैं। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए शाम 5:00 बजे तक 60.13 प्रतिशत मतदान हुआ है। 18 जिलों में से, बेगूसराय में सबसे अधिक 67.32 प्रतिशत मतदान हुआ, उसके बाद गोपालगंज में 64.96 प्रतिशत और मुजफ्फरपुर में 64.63 प्रतिशत मतदान

हुआ। पटना जिले में 55.02 प्रतिशत मतदान हुआ। लखीसराय जिले में 62.76 प्रतिशत मतदान हुआ, उसके बाद मधेपुरा में 65.74 प्रतिशत मतदान हुआ। आज शाम पांच बजे तक भोजपुर जिले में 53.24 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद बक्सर में 55.10 प्रतिशत, दरभंगा में 58.38 प्रतिशत, खगड़िया में 60.65 प्रतिशत, मुंगेर में 54.90 प्रतिशत, नालंदा में 57.58 प्रतिशत, सहरसा में 62.65 प्रतिशत, समस्तीपुर में 66.65 प्रतिशत, सारण में 60.90 प्रतिशत, शेखपुरा में 52.36 प्रतिशत, सीवान में 57.41 प्रतिशत और वैशाली में 59.45 प्रतिशत मतदान हुआ। प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में, राघोपुर में 64.01 प्रतिशत, महुआ में 54.88 प्रतिशत, अलीनगर में 58.05 प्रतिशत, तारापुर में 58.33 प्रतिशत, लखीसराय में 60.51 प्रतिशत, छपरा में



56.32 प्रतिशत, बांकीपुर में लगभग 40 प्रतिशत, पुलवारी में 62.14 प्रतिशत, रघुनाथपुर में 51.18 प्रतिशत, सीवान में 57.38 प्रतिशत और मोकामा में 62.16 प्रतिशत मतदान हुआ। पहले चरण में राजद के तेजस्वी प्रसाद यादव, भाजपा

नेता सम्राट चौधरी और मंगल पांडे और जदयू के श्रवण कुमार और विजय कुमार चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेताओं के भाग्य का फैसला होगा। तेज प्रताप यादव भी पहले चरण में मैदान में हैं। 2020 में, मतदान तीन चरणों में हुआ था। राष्ट्रीय

जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 125 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी महागठबंधन (एमजीबी) को 110 सीटें मिलीं। प्रमुख दलों में, जनता दल (यूनाइटेड) को 43 सीटें, भाजपा को 74, राजद को 75 और कांग्रेस को 19 सीटें मिलीं। जदयू ने 115, भाजपा ने 110, राजद ने 144 और कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा। बिहार में पहले चरण का मतदान, जिसमें 121 विधानसभा सीटें शामिल हैं, शाम 6:00 बजे समाप्त होगा। सुरक्षा कारणों से, कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का समय घटाकर शाम 5:00 बजे कर दिया गया है। शेष 122 निर्वाचन क्षेत्रों में 11 नवंबर को दूसरे चरण में मतदान होगा। मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी। राजधानी पटना के वेतनरी कॉलेज बूथ पर आज लालू प्रसाद यादव ने अपने पूरे परिवार के साथ वोट डाला।

लखीसराय में डिप्टी सीएम की गाड़ी पर चप्पल, गोबर और पत्थर फेंके

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के दौरान लखीसराय विधानसभा क्षेत्र में उस वक्त माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब बिहार के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा के काफिले को निशाना बनाया गया। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा अपने निर्वाचन क्षेत्र, लखीसराय के खोरियारी गांव में बूथों का जायजा लेने के लिए निकले थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बूथ संख्या 404 और 405 के पास राष्ट्रीय जनता दल के समर्थकों की एक भीड़ ने उनकी गाड़ी को घेर लिया। भीड़ ने मुद्दाबाद के नारे लगाए, उनके काफिले की गाड़ियों पर चप्पलें, पत्थर और गोबर भी फेंका। इस हमले के कारण काफिले की आवाजही पूरी तरह से बाधित हो गई और मौके पर अफरातफरी मच गई।

कोई नंबर क्रांति नहीं

2028 में सत्ता में वापसी के साथ ही होगा बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने ‘नवंबर क्रांति’ की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि कोई क्रांति नवंबर या दिसंबर में नहीं, बल्कि 2028 में होगी, जब कांग्रेस फिर से सत्ता में लौटेगी। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि वह पार्टी के ‘अनुशासित सिपाही’ हैं और मुख्यमंत्री सिद्धार्थमाहैया के साथ पार्टी के फैसले का पालन करेंगे। हाल ही में यह चर्चा चल रही थी कि कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के बीच में मुख्यमंत्री बदले जा सकते हैं, जिसे कुछ



लोग ‘नवंबर क्रांति’ कह रहे थे। शिवकुमार ने कहा, मैं किसी से मिलने नहीं जा रहा हूं, न ही कैबिनेट फेरबदल पर कोई चर्चा हुई है। यह मुख्यमंत्री का अधिकार है। पार्टी जो भी तय करेगी, वही होगा। अगर पार्टी कहे कि सीएम पांच साल रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर के

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों की आतंकियों से मुठभेड़

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छत्रु क्षेत्र के कलाबन जंगल में आज सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आतंकियों की गोलीबारी में एक जवान घायल हुआ है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। व्हाइट नाइट ऑपरेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि पुलिस को इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त अभियान शुरू किया। इस ऑपरेशन को ‘छत्रु ऑपरेशन’ नाम दिया गया है। मौके पर दोनों ओर से फायरिंग जारी है और पूरे इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया है।

राहुल गांधी का बड़ा आरोप : मोदी-शाह ने चुराए वोट

अब बिहार में नहीं चलने देंगे चुनाव चोरी-राहुल गांधी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

2024 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में मतदाता धोखाधड़ी के नए आरोप लगाने के एक दिन बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को बिहार में 121 सीटों पर पहले चरण के मतदान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधा। गांधी ने बुधवार को अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा कि वे जहाँ भी चुनाव लड़ रहे हैं... वोट चुराकर चुनाव जीत रहे हैं... कल हमने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि भाजपा और चुनाव



आयोग ने हरियाणा चुनाव चुराया है, और उन्होंने बिहार में पिछला चुनाव भी चुराया था। कांग्रेस सांसद ने मतदाताओं से कहा कि इसलिए इस बार वोट चोरी नहीं होने दी जानी चाहिए। (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी और (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह,

चुनाव आयोग, वोट चोरी में शामिल हैं। संविधान की रक्षा करना आपकी (मतदाताओं की) जिम्मेदारी है। हमें वोट चोरी नहीं होने देनी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने अपने इस दावे को दोहराया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रिमोट से नियंत्रित कर रहे हैं और बिहार में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों और अस्पतालों की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि बिहार को फिर से प्रगति की आवश्यकता है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय और अस्पताल बिहार में स्थापित होने चाहिए।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष

राष्ट्रगौरव और जनभागीदारी का वर्षभर चलने वाला उत्सव आज से प्रारंभ

वंदे मातरम् की गूंज नई पीढ़ी में जगाएगी राष्ट्रप्रेम और गर्व की भावना
मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर/ संवाददाता

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पूरे देश के लिए गर्व और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय अवसर है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में इस ऐतिहासिक पर्व को वर्षभर चलने वाले महाअभियान के रूप में मनाया जा रहा है। देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी यह आयोजन जनभागीदारी के साथ चार चरणों में ग्राम पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक भव्य रूप में संपन्न किया जाएगा.वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने

पर कार्यक्रम का शुभारंभ 7 नवम्बर 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा. यह राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रातः 10 से 11 बजे तक दूरदर्शन पर प्रसारित होगा. प्रधानमंत्री के उद्बोधन के पश्चात पूरे देश में एक साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया जाएगा. गीत के बोल और धुन पोर्टल पर उपलब्ध हैं. कार्यक्रम चार चरणों में आयोजित होगा- प्रथम चरण 7 से 14 नवम्बर 2025, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026, तृतीय चरण 7 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ), और चतुर्थ चरण 1 से 7 नवम्बर 2026 तक चलेगा. इस दौरान राज्य के सभी जिलों, जनपदों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों एवं सामाजिक संगठनों में राष्ट्रीय के सामूहिक गायन के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे.



राज्य के सभी जिलों में मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विशेष निर्माण, एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ संस्थाओं और नागरिक समूहों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि यह अभियान एक जनआंदोलन का रूप

ले सके. प्रदेश के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में वंदे मातरम् विषय पर विशेष सभाएँ, निबंध, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण, एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ होंगी. एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड और स्कूल बैंड के माध्यम से वंदे मातरम् और देशभक्ति गीतों की धुन पर

प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी. राज्य पुलिस बैंड भी सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीयता आधारित कार्यक्रमों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रेंगेगा. राज्यभर में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत वंदे मातरम् ऑडियो-वीडियो बूथ स्थापित किए जाएंगे. इनमें नागरिक अपनी आवाज़ में वंदे मातरम् गाकर उसे पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे. पोर्टल पर गीत की मूल धुन और बोल की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है. यह पहल लोगों को अपने तरीके से राष्ट्रप्रेम व्यक्त करने का अवसर देगी और आंदोलन को अधिक व्यक्तिगत और भावनात्मक बनाएगी. वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ केवल एक स्मरणीय अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, आत्मगौरव और मातृभूमि के प्रति समर्पण का जीवंत संदेश है.

विद्यालयों में विशेष गतिविधियाँ और रचनात्मक आयोजन

प्रदेश के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में वंदे मातरम् विषय पर विशेष सभाएँ, निबंध, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण, एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ होंगी. एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड और स्कूल बैंड के माध्यम से वंदे मातरम् और देशभक्ति गीतों की धुन पर प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी. राज्य पुलिस बैंड भी सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीयता आधारित कार्यक्रमों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रेंगेगा.

बेमेतरा में तीन दिवसीय राज्योत्सव का भव्य समापन



बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित रजत राज्योत्सव के अंतर्गत जिला मुख्यालय बेमेतरा के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान में तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का आज उल्लस, उमंग और हर्षोल्लास के वातावरण में भव्य समापन हुआ।

जिले में नीट एवं जेईई आवासी कौचिंग के लिए 100 विद्यार्थी चयन हेतु जिले के स्कूलों में स्क्रीनिंग टेस्ट का आयोजन 06 नवंबर को



दक्षिणहरा। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के तत्वाधान में जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर के नीट एवं जेईई

वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आवासीय कौचिंग का आयोजन किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में नीट एवं जेईई आवासी कौचिंग के लिए 100 विद्यार्थी चयन हेतु जिले के स्कूलों में स्क्रीनिंग टेस्ट का आयोजन 06 नवंबर को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस टेस्ट के आयोजन हेतु सभी शासकीय, अशासकीय हाई स्कूल तथा हायर सेकण्डरी स्कूल के प्राचार्य व संस्था प्रमुखों को दिशा-निर्देश जारी कर सफलतापूर्वक स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजन हेतु पत्र जारी किया गया है।

आने वाली है सतयुगी दुनिया, भारत फिर से बनेगा सोने की चिड़िया : ब्रह्माकुमारी पूनम

बेमेतरा। अनेकानेक स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों का मुख्य कारण मन में उत्पन्न तनाव है। आधुनिक जीवनशैली में अधिकतर हम सबको किसी न किसी समय तनाव प्रभावित जरूर करता है। ज्यादातर शारीरिक अंगों के अलावा मानसिक तौर पर तनाव का प्रभाव अधिक देखा जाता है। इसलिए उससे बचना मुश्किल महसूस होता है। तनाव की उत्पत्ति का मूल कारण स्वयं को भूलना है। उक्त बातें इंदौर से पधारी प्रख्यात तनावमुक्ति विशेषज्ञा ब्रह्माकुमारी पूनम कहनकी ने मंडी प्रांगण बेमेतरा में आयोजित नौ दिवसीय निःशुल्क अलविदा तनाव शिविर के आठवें दिन के सत्र समय की पहचान, महाविजय उत्सव विषय के अंतर्गत कही। आपने आगे बताया कि विश्व एक रंग मंच है और हम सभी अभिनेता हैं। इसकी कोई शुरुआत नहीं है, कोई अंत नहीं है। पूर्ण चक्र 5000 वर्ष दिखाया गया है जिसमें 4 युग (समय खंड) का उल्लेख किया गया है। अपने उच्चतम चरण (स्वर्ण युग) से, अपने निम्नतम स्तर (लोह युग) तक। विश्व नाटक मानव आत्माओं, उनकी वृद्धि



और गिरावट, जीत और हार, खुशी और पीड़ा, ज्ञान और अज्ञानता, स्वतंत्रता और कर्म के बंधन की कहानी है। यह अच्छी और बुरी ताकतों के खेल, और 4 अलग-अलग चरणों के माध्यम से है, जिसके माध्यम से मानव आत्माएं और प्रकृति गुजरती है। यह इस अनन्त विश्व चक्र के माध्यम से अपनी नाटकीय यात्रा पर मानवता की कहानी है। यह वास्तव में अब तक की सबसे बड़ी कहानी है। यह सुख और दुख, दिन और रात का एक चक्र है, जिसे स्वर्ग और नरक के रूप में याद किया जाता है। रात के बाद, दिन आता है और ऐसे चक्र फिरता है। लेकिन यह भी

समझाया गया है कि हम अपने व्यक्तिगत जीवन के 75% के लिए खुशी का अनुभव करते हैं। एक बच्चा शुद्ध है, तो सभी उसे प्यार करेंगे। इस प्रकार कहा जाता है 'बच्चे भगवान के बराबर हैं'। अब यह एक बड़ी तस्वीर है। जब हम ताबे की उम्र में पूजा करना शुरू करते हैं, तो सबसे पहले हम ईश्वर की भक्ति के कारण शुद्ध रहते हैं। फिर धीरे-धीरे धीरे-धीरे, लोह युग के अंत तक जब हम विकार में गिरते रहते हैं, हम अधिक दुख का अनुभव करते हैं। चक्र के आधे हिस्से को नई दुनिया (स्वर्ग) कहा जाता है, अन्य आधे को पुरानी दुनिया कहा जाता है। मैसेज में,

हमने देवी-देवताओं में विद्यमान 36 दैवीय गुणों के बारे में जाना। आइए, अब हम हर एक गुण को परखें और इन्हें स्वयं में धारण करें, जिससे हम खुद को परफेक्ट, प्योर और प्रशंसा के योग्य बना सकें। क्योंकि जितना अधिक हम इन गुणों को धारण करते हैं, उतना ही अधिक हम जीवन के हर क्षेत्र; पर्सनल और प्रोफेशनल में सफलता अनुभव करेंगे और हमारे सभी रिश्ते भी खूबसूरत हो जाएंगे। इन गुणों को अपने अंदर धारण करने का या जानने का एक बहुत सुंदर अभ्यास है; कि किसी एक दिव्य गुण को सेलेक्ट करें और उसे एक सप्ताह के लिए अभ्यास में लाएं

छत्तीसगढ़ आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है : मंत्री दयालदास बघेल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि जिला बेमेतरा आज छत्तीसगढ़ राज्य की प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है। यहाँ विकास, सुशासन और जनकल्याण एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला निर्माण के उपरांत बेमेतरा ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, सड़क और सामाजिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में जब छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण हुआ, तब प्रदेश को अपने भविष्य को गढ़ने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। मंत्री बघेल ने आगे कहा कि पहले जहाँ किसानों को 18वें ब्याज पर कृषि ऋण मिलता था, वहीं आज उन्हें शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

5 एचपी तक के मोटर पंप पर निशुल्क बिजली दी जा रही है। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य निरंतर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ गरीबी और पलायन से जुड़ा राज्य था, लेकिन धान के कटोरे के रूप में समृद्ध और आत्मनिर्भर प्रदेश बन चुका है। मंत्री ने जिलेवासियों से आह्वान किया कि हम सब मिलकर बेमेतरा को एक समृद्ध, आधुनिक और विकसित जिला बनाने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कहा का दिन हम सबके लिए गर्व और गौरव का प्रतीक है। बेमेतरा जिला निरंतर विकास के नए अध्याय लिख रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जिले में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। वहीं साजा विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार

ठोस कदम उठा रही है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएँ धरातल पर वास्तविक रूप ले रही हैं, जिससे प्रदेश और जिले में विकास की धारा बह रही है। राज्योत्सव के अंतिम दिवस मंच पर स्थानीय कलाकारों और विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी लोककला के विविध रंग बिखेरे। नाचा, करमा, सुवा, पंथी जैसे परंपरिक नृत्यों और गीतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राज्योत्सव के तीनों दिन जिलेभर के नागरिकों ने भारी उत्साह से सहभागिता की। तीन दिवसीय राज्योत्सव के इस भव्य आयोजन ने बेमेतरा जिले की 25 वर्षों की विकास यात्रा, जनभागीदारी और सांस्कृतिक गौरव को एक मंच पर पिरो दिया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ राज्य और जिले की प्रगति के इस उत्सव को यादगार बना दिया।

सर्गोदी में होगा भव्य ‘पिपलेश्वर हनुमान मंदिर’ का निर्माण, आस्था का केंद्र फिर से जीवित होगा



कोषाध्यक्ष सुखदेव साहू (ग्राम पटेल), सचिव ईशज सेन, सदस्य शैलेंद्र मिश्रा, दिलीप पटेल, शिशिर मिश्रा, आनंद तंगोली, राम अवतार साहू (सरपंच प्रतिनिधि)। ग्राम के सहयोगी नागरिक राजीव चंद्राकर ने बताया कि समिति के सभी सदस्य मंदिर निर्माण को लेकर उत्साहित हैं और निकट भविष्य में भूमि पूजन कर

कार्य आरंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, यह स्थान अब फिर से लोगों की आस्था का केंद्र बनेगा, जैसा पहले पीपल वृक्ष के समय हुआ करता था। मंदिर निर्माण को लेकर विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा ने भी अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए 3,00,000 (तीन लाख रुपये) की राशि अपने विधायक निधि से देने की घोषणा की

है। उनके इस योगदान से ग्रामीणों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। ग्रामवासियों का कहना है कि पीपल वृक्ष भले अब नहीं रहा, लेकिन उसकी जगह बनने वाला पिपलेश्वर हनुमान मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए आस्था, एकता और धार्मिक समर्पण के प्रतीक बनेगा। साथ ही मंदिर परिसर में नया पीपल वृक्ष भी लगाया जाएगा,

जिससे पुरानी परंपरा फिर जीवित होगी। मंदिर निर्माण के समर्थन में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की संयुक्त बैठक भी संपन्न हुई, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने एकजुट होकर मंदिर निर्माण में सहयोग करने का संकल्प लिया। बैठक में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के सदस्य उत्तम दसारिया सुभाष राजपूत विशेष रूप से मौजूद रहे। दोनों ने कहा कि पिपलेश्वर हनुमान मंदिर का निर्माण केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का प्रतीक है। पिपलेश्वर हनुमान मंदिर बनने के साथ ही यह स्थल न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि सर्गोदी ग्राम की पहचान भी बनेगा।

भक्ति और अनुशासन साथ-साथ: प्रदीप मिश्रा की कथा से पहले प्रशासन ने तैयार किया सुरक्षा ब्लूप्रिंट



कचर्चा। ग्राम घुघरी में प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की श्रीमद् शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ होने जा रहा है। 6 से 10 नवंबर तक चलने वाले इस विशाल धार्मिक आयोजन में

लाखों श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन और कबीरधाम पुलिस ने सुरक्षा और यातायात की विशेष तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। कथा स्थल और आसपास के

इलाकों में नो-व्हीकल जोन, विशेष पार्किंग स्थल और दुकानों के लिए निर्धारित क्षेत्र तय किए गए हैं, ताकि भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित हो सके।

ट्रैफिक और पार्किंग की सख्त व्यवस्था

कबीरधाम पुलिस द्वारा जारी रूट प्लान के अनुसार बड़े वाहन (ट्रैक्टर, पिकअप आदि) नया कृषि मंडी प्रांगण में पार्क होंगे। कार और दोपहिया वाहन मिलिमाता चौक से घुघरीखुर्द रोड के रास्ते से ही कथा स्थल तक पहुंच सकेंगे। नेवारी से मारपा मार्ग पर वाहन या पैदल आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। चरडोंगरी स्कूल परिसर और पालीगुड़ा क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग, जबकि भोरमदेव कॉलेज के आगे सक्ती नदी पुल के पास वीआईपी वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

दुकानें केवल निर्धारित स्थानों पर

भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के मददेनजर कथा स्थल के आसपास किसी भी वाहन के प्रवेश पर रोक रहेगी। व्हीआईपी पार्किंग स्थल से कथा स्थल तक, ग्राम कोठार से कथा स्थल तक और पालीगुड़ा चौक से घुघरीकला रोड तक का इलाका नो-व्हीकल जोन घोषित किया गया है। कथा स्थल के आसपास दुकान, ठेला या अस्थायी स्टॉल लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। केवल तीन स्थान भंडारा स्थल के पास खाली परिसर, दैङहान-बगोया क्षेत्र, मरघट बगोया परिसर पर ही दुकानें लग सकेंगी।

पुलिस की अपील

कबीरधाम पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित रूट और पार्किंग नियमों का पालन करें, पुलिस के मार्गदर्शन में अनुशासन बनाए रखें और प्रशासन की इस व्यवस्था में सहयोग दें। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी संदेश में कहा गया है कि सभी के सहयोग से यह धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में संपन्न होगा।

वत्सला समृद्धि हस्तकला स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र, राज्योत्सव में ग्रामीण कारीगर महिलाओं की कला ने बटोरी सराहना



बेमेतरा। राज्योत्सव महोत्सव में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी के अंतर्गत वत्सला समृद्धि हस्तकला स्टॉल दर्शकों और आगंतुकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। स्टॉल पर दोपहर 2 बजे से देर रात 11 बजे तक अपार भीड़ उमड़ी रही, जहाँ वत्सला संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित जूट

कला की विविध कलाकृतियाँ एवं हस्तनिर्मित वस्तुएँ प्रदर्शित की गईं। इन रचनाओं ने न केवल आम दर्शकों और विशेष अतिथियों के ध्यान आकर्षित किया, बल्कि उम्मीद से भी ज्यादा वस्तुओं का बिक्री हुई और कुछ कुछ आइटम के एडवांस बुकिंग भी मिला है। कारीगर महिलाओं ने अपनी इस सफलता का

श्रेय वत्सला संस्था तथा बेमेतरा जिला प्रशासन को देते हुए कहा कि संस्था के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग से वे आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हैं। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के प्रोत्साहन एवं सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की, ताकि महिलाएँ आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में पूर्ण सफलता प्राप्त कर सकें।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया पवित्र स्नान, हुई गंगा आरती

कार्तिक पूर्णिमा पर खैरागढ़ महादेव घाट में उमड़ी श्रद्धा की अविरल धारा, सुबह से शाम तक गूंजता रहा हर-हर महादेव



खैरागढ़। पवित्र कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर खैरागढ़ का ऐतिहासिक महादेव घाट आस्था और श्रद्धा से सराबोर हो उठा। भोर की पहली किरण के साथ ही महिलाएं और पुरुष स्नान के लिए घाट की ओर उमड़ पड़े। सुबह 4 बजे से ही घाट पर श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। करीब 300 से 400 लोगों ने पवित्र स्नान कर भगवान

महादेव का जलाभिषेक किया। हिंदू परंपरा के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर ब्रह्ममुहूर्त में स्नान और भगवान शंकर की आराधना अत्यंत शुभ मानी जाती है। इसी आस्था के साथ महिलाएं साड़ी और चुनरी ओढ़े, पुरुष पारंपरिक पोशाक में 'हर हर महादेव' का जयघोष करते हुए घाट पर पहुंचे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा आकर्षण का केंद्र

गंगा आरती के बाद सुप्रसिद्ध स्थानीय कलाकारों की दुनिया द्वारा भक्ति संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन हुआ, 'हर-हर महादेव' के जयघोष के बीच भक्तों को भजन और आरती के माध्यम से आध्यात्मिक अनुभव कराया।

समिति ने की तैयारियां

महादेव घाट समिति के संयोजक अरुण भारद्वाज एवं सहयोगी मनोरथन देवांगन, दिनेश गुप्ता, सुरेश ठाकुर ने बताया कि घाट पर शिवलिंग की स्थापना वर्षों पुरानी है और यहां प्रतिदिन पूजा-अर्चना होती है। उन्होंने कहा- गंगा आरती में महिलाओं की विशेष भागीदारी रहती है। हर वर्ष की तरह इस बार भी हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। इस बार के प्रसाद में प्लुवा और टमाटर की सब्जी रखी गई है। समिति के सदस्यों ने बताया कि घाट परिसर में बड़े पंडाल लगाए गए हैं, बिजली व्यवस्था और प्रसाद वितरण की जिम्मेदारी स्वयंसेवकों को दी गई है।

सुबह से उमड़ा जनसैलाब

घाट परिसर में महिलाओं ने दीप प्रज्वलित कर आरती की और घर-परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। आसपास के वार्ड के लोग बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। नगर के युवाओं ने घाट की सफाई व्यवस्था में सहयोग किया।

शाम को हुआ गंगा आरती का आयोजन

महादेव घाट पर गंगा आरती का आयोजन हुआ, पिछले वर्ष लगभग 1200 श्रद्धालु इस आरती में शामिल हुए थे और घाट पर दीपदान से दृश्य अद्भुत बना था। इस वर्ष समिति को उससे भी अधिक भीड़ की उम्मीद है। घाट पर रोशनी की विशेष व्यवस्था की गई है। घाट पर दीपदान के लिए विशेष लाइट लगाए गए हैं खैरागढ़ के पांच सुप्रसिद्ध महाराज घनश्याम तिवारी, गुलशन तिवारी सहित अन्य ने गंगा आरती की।

संक्षिप्त समाचार

लेखा प्रभारी ने 41 हजार से अधिक का किया हेराफेरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग पंडरी में तत्कालीन लेखा प्रभारी ने 41 हजार से अधिक का हेराफेरी कर धोखाधड़ी किया। प्रार्थी को शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जेआर निराला 52 वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग पंडरी में कार्यरत है। बताया जाता है कि छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग में पदस्थ तत्कालीन लेखा प्रभारी विनोद साहू ने कार्य करने के दौरान विभाग के 41856 रुपए का हेराफेरी कर धोखाधड़ी किया। प्रार्थी को शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

किराना दुकान के गल्ले से नकदी 50 हजार पार

रायपुर। ग्राम चंदखुरी स्थित किराना दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने 50 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी को शिकायत पर मंदिरहसौद पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी तोषण साहू 26 वर्ष चंदखुरी का रहने वाला है। प्रार्थी किराना दुकान चलाता है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के दुकान का ताला तोड़कर गल्ले में रखे नकदी 50 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी को शिकायत पर मंदिरहसौद पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

हेरोइन चिट्ठा के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर। आमानाका पुलिस ने टाटीबंध चौक से सरोना मार्ग में ट्रेलर वाहन में हेरोइन चिट्ठा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 34–60 ग्राम चिट्ठा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार आमानाका पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर टाटीबंध चौक से सरोना मार्ग में दक्शिन देकर ट्रेलर क्रमांक सीजी 04 एचएक्स 6227 में सवार आरोपी हरदीप कुमार 36 वर्ष और मंजीत सिंह 53 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से 34–60 ग्राम हेरोइन चिट्ठा, तौल मशीन और 2 मोबाइल फोन जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

मामूली विवाद पर महिलओ में खूनी संघर्ष,एक की मौत

रायपुर। जिले के भिलाई शहर में दो महिलाओं के बीच हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और एक महिला ने दूसरी महिला को हत्या कर दी। घटना रानी तराई थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार घटना सोमवार की है। बताया जाता है कि रानीतराई थानक्षेत्र में रहने वाली दो महिलाओं के बीच किसी घरेलू या व्यक्तिगत विवाद को लेकर उनके बीच कई दिनों से मनमुटाव चल रहा था। सोमवार की दोपहर भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आसपास के लोगों ने बीच–बचाव करने की कोशिश की, लेकिन तब तक एक 50 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल महिला को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी, हालांकि प्रारंभिक जांच में चोट लगने से मौत की आशंका जताई जा रही है। रानी तराई थाना पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस ने हत्या या गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आमानाका पुलिस ने दो हेरोईन तस्कर गिरफ्तार किए

रायपुर। राजधानी रायपुर की थाना आमानाका पुलिस ने सरोना रोड टाटीबंध चौक के पास से पंजाब निवासी दो लोगों को पकड़कर उनके पास से 34 ग्राम से अधिक हेरोईन (चिट्ठा)जब्त किया है। बता दें कि आईजी अमरेश कुमार मिश्रा और एसएसपी डॉ लाल उमेन्द्र सिंह द्वारा अवैध नशे से संबंधित, प्रतिबंधित मादक पदार्थ, प्रतिबंधित नशीली टेबलेट एवं सिरप तथा सूखे नशे के तस्करी, खरीदी–बिक्री, निर्यत्रण एवं रोकथाम हेतु समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी कड़ी में नगर पुलिस अधीक्षक ईशू अग्रवाल के निर्देशन मे थाना प्रभारी आमानाका द्वारा टीम गठित कर लगातार मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्ठा) व अन्य नशीले पदार्थ खरीदी–बिक्री, निर्यत्रण एवं रोकथाम के लिये कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 03.11.25 को थाना आमानाका टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना आमानाका क्षेत्र अंतर्गत सरोना रोड टाटीबंध चौक के पास 02 व्यक्ति पंजाब से आये हुये है जो सफेद रंग की ट्रेलर सौजी04यचएक्स6227 में बैठे हैं, अपने पास अवैध रूप से मादक पदार्थ हीरोइन (चिट्ठा) रखे हुये है तथा बिक्री करने श्रादक तलाश कर रहा है।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव–2025

उप राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ के 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को किया गया सम्मानित

रायपुर/ संवाददाता

उप राष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के राज्य अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ के 34 अलंकरण से विभिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट योगदान देने वाले 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय अलंकरण समारोह के अति विशिष्ट अतिथि तथा विशिष्टि अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकगण उपस्थित थे। राज्य अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन एवं मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार श्री हिरेश सिन्हा जिला कांग्रेस के प्रदान किया। यति यतनलाल सम्मान भारतीय कुष्ठ निवारक संघ, कात्रे नगर सोटी जिला जांजगीर–चांपा, गुण्डाधूर सम्मान सुश्री ज्ञानेश्वरी यादव राजनांदागांव, मिनीमाता सम्मान श्रीमती ललेश्वरी साहू दुर्ग, गुरूबासीदास सम्मान संयुक्त रूप से श्री धुवनदास जांगड़े बेमेतरा एवं श्री शशि



गायकवाड़ बलौदाबाजार–भाटापारा, ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति डोमा जिला धमतरी, हबीब तनवीर सम्मान डॉ. कुंज बिहारी शर्मा जिला रायपुर, महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान सुश्री चांदनी साहू जिला बिलासपुर को प्रदान किया गया। इसी प्रकार पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान श्री राजेश अग्रवाल जिला रायपुर, पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान डॉ. चिंतरंजन कर जिला रायपुर, चक्रधर सम्मान पंडित कीर्ति माधव लाल व्यास जिला दुर्ग, दाऊ मंदराजी सम्मान श्री रिखी क्षत्रिय जिला दुर्ग, डॉ. खूबचंद

बघेल कृषक रब पुरस्कार संयुक्त रूप से श्री धनेन्द्र कुमार साहू जिला धमतरी एवं श्री वामन कुमार टिकरिहा जिला बलौदाबाजार, महाराजा अग्रसेन सम्मान श्री राजेन्द्र अग्रवाल राजू जिला बिलासपुर, चन्द्रलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रिंट मीडिया हिन्दी डॉ. संदीप कुमार तिवारी रायपुर एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हिन्दी का पुरस्कार संयुक्त रूप से डॉ. सोमेश कुमार पटेल एवं श्री अभिषेक शुक्ला रायपुर, मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रिंट मीडिया अंग्रेजी सुश्री भावना पाण्डेय जिला दुर्ग, दानवीर भामाशाह सम्मान श्री

छत्तीसगढ़ बन रहा है टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का नया पावर सेंटर

■ विजन 2047 की ओर सशक्त कदम: छत्तीसगढ़ टेक स्टार्ट 2025 ने खोले नवाचार के नए द्वार

■ छत्तीसगढ़ के युवा नवाचार से रच रहे तकनीकी भविष्य – मुख्यमंत्री ने किया आइडियार्थोन विजेताओं का सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नया रायपुर स्थित मेफेयर होटल में आयोजित ‘छत्तीसगढ़ टेक स्टार्ट’ कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ‘टेक स्टार्ट’ का यह आयोजन राज्य में नवाचार और तकनीकी उद्यमिता को नई दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अवसर पर उन्होंने ‘आइडियार्थोन 2025’ के विजेताओं को

सम्मानित किया और छत्तीसगढ़ शासन के साथ पार्टनरशिप एक्सचेंज करने वाली इकाइयों को एग्रीमेंट पत्र सौंपे। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित तकनीकी क्षेत्र के विशेषज्ञों, उद्यमियों एवं प्रबुद्धजनों को रजत जयंती वर्ष की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे विजनरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है। उनके ‘विकसित भारत’ के संकल्प से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने वर्ष 2047 तक ‘विकसित छत्तीसगढ़’ का लक्ष्य तय किया है, जिसके लिए विजन डॉक्यूमेंट भी तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज भारत में लाखों स्टार्टअप कार्यरत हैं, जिनमें से अनेक यूनिकॉर्न बन चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी युवाओं की उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रही है।

धुमंतू पशुओं के कारण होने वाले दुर्घटनाओं को रोकने एक माह तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश–कलेक्टर.....

■ कलेक्टरों, निगम

आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को जारी किया परिपत्र

रायपुर/ संवाददाता

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सड़कों पर धुमंतू व आवारा पशुओं के कारण होने वाले दुर्घटनाओं को रोकने सभी नगरीय निकायों को एक माह तक विशेष अभियान चलाने तथा टोल–फ्री नम्बर्स 1033 व निदान–1100 के व्यापक प्रचार–प्रसार के निर्देश दिए हैं।



विभाग ने मंत्रालय से सभी जिलों के कलेक्टरों, नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को परिपत्र जारी कर परिवहन विभाग के एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) के अनुसार



सौर सुजला योजना और सोलर ड्यूल पंप से किसानों व ग्रामीणों को मिल रहा लाभ

रायपुर। बीजापुर जिले में सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं ने ग्रामीण जीवन और कृषि व्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार किया है। सौर सुजला योजना तथा सोलर ड्यूल पंप तकनीक के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों को लाभ मिल रहा है, जिससे न केवल सिंचाई और पेयजल की सुविधा बढ़ी है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। पहले जिले में सिंचाई के पर्याप्त साधन न होने के कारण किसानों को बोरवेल, कुआं या नदी–नालों से सिंचाई में कठिनाई होती थी। इससे कई बार पलायन, बेरोजगारी और आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। अब सौर सुजला योजना के अंतर्गत किसानों को सौर सिंचाई पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनसे वे अपने जल स्रोतों का उपयोग कर पा रहे हैं। अब किसान पारंपरिक धान फसल के साथ–साथ साग–सब्जी, दलहन और तिलहन की खेती भी कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है। पिछले 25 वर्षों में जिले में कुल 4,090 सोलर पंप संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनसे लगभग 10,225 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ का आदर्श मॉडल

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान,सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय संस्कृति के केंद्र में हमारे बुजुर्ग हैं – जिनके अनुभव समाज को दिशा देते हैं और जिनकी स्मृतियाँ हमारी सभ्यता की नींव हैं, लेकिन बदलते सामाजिक परिदृश्य में परिवारिक संरचना और सामाजिक दायरे सिमटने लगे हैं। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सहभागिता और गरिमामय जीवन सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिकता बन जाता है। इसी भावना को साकार करती है – छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशील नीतियाँ और सशक्त क्रियान्वयन। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने वरिष्ठजनों के सम्मान को शासन प्रणाली में प्रमुख स्थान दिया है। उनका मानना है माता–पिता की पूजा ही ईश्वर की पूजा है। इसी सोच के साथ राज्य में ऐसे प्रकल्पों का विस्तार हो रहा है जो बुजुर्गों के

जीवन की गुणवत्ता बढ़ाते हैं। एक अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग में पीपीपी मॉडल के तहत आधुनिक वृद्धाश्रम स्थापित करने तथा असहाय बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए रायपुर में उपकरण सर्विस सेंटर खोलने की घोषणा की। इसी के साथ राज्य में सियान गुड़ी जैसे सामाजिक–आध्यात्मिक केंद्रों का विस्तार बुजुर्गों को मानसिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सहारा प्रदान कर रहा है। छत्तीसगढ़ की समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने वृद्धजन केंद्रित कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनका कहना है संवेदनशील शासन का अर्थ है, हर बुजुर्ग तक सेवा और सुरक्षा पहुँचाना। राज्य में 35 वृद्धाश्रम सक्रिय रूप से संचालित हैं, जहाँ लगभग 1049 वरिष्ठ नागरिक भोजन, आवास, स्वास्थ्य, परामर्श



और मनोरंजन की सुविधाएँ प्राप्त कर रहे हैं। गंभीर रोगों या असहाय स्थिति में रह रहे बुजुर्गों के लिए रायपुर, दुर्ग, कबीरधाम, रायगढ़, बालाद और बेमेतरा इन 6 जिलों में प्रशामक देखभाल गृह संचालित किए जा रहे हैं, जहाँ

128 वरिष्ठजनों को निःशुल्क उपचार, दवाइयों और नियमित स्वास्थ्य देखभाल मिल रहा है। वरिष्ठजनों की समस्याओं के निवारण हेतु स्थापित हेल्पलाइन सेवा द्वारा अब तक 2 लाख 70 हजार से अधिक प्रकरणों का समाधान किया

छत्तीसगढ़ में बढ़ाई जाएगी मतदान बूथों की संख्या,खुलेंगे नए केंद्र,संख्या होगी 27199

■ 2828 नए मतदान

केंद्र बनाने का फैसला

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में एक तरफ एसआईआर सर्वे शुरू हो रहा है तो दूसरी तरफ मतदाताओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बूथों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। छत्तीसगढ़ में आने वाले विधानसभा चुनाव में मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ेगी, बताया जा रहा है कि मतदाताओं की सुविधाओं के हिसाब से राज्य निर्वाचन आयोग ने 2828 नए मतदान केंद्र बनाने का फैसला किया है। ताकि आसानी से और जल्दी मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मत का उपयोग कर सके, माना जा रहा है कि आने वाले विधानसभा चुनाव तक यह प्रक्रिया लागू हो जाएगी। छत्तीसगढ़ में दूसरी तरफ एसआईआर सर्वे का काम भी शुरू हो रहा है, जिसके लिए निर्वाचन आयोग ने तैयारियां कर ली हैं। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन विभाग ने इस बार 2828 नए मतदान केंद्र स्थापित करने की

घोषणा की है, इन नए केंद्रों के जुड़ने से राज्य में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 24371 से बढ़कर 27199 हो जाएगी। निर्वाचन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, नए मतदान केंद्र मुख्य रूप से उन इलाकों में बनाए जा रहे हैं, जहां जनसंख्या घनत्व बढ़ा है या प्रति बूथ मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक हो गई है। साथ ही जिन क्षेत्रों में पिछली बार मतदाता दूरी या भौगोलिक कठिनाइयों के कारण मतदान नहीं कर पाए थे, वहां भी विशेष रूप से केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इस बार दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हर नए मतदान केंद्र पर व्हीलचेयर, रैंप, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि सभी मतदाता बिना किसी असुविधा के मतदान कर सकें। निर्वाचन आयोग की योजना के तहत, नए केंद्रों में लगभग 45 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में और 25 प्रतिशत नक्सल प्रभावित जिलों में स्थापित किए जाएंगे।

संपादकीय

आज तेजी से बहुध्रुवीय होती दुनिया में वैसे भी किसी देश के लिए यह संभव नहीं है कि वह लंबे समय तक सिर्फ अपने हित में एकरतर्फा नीतियां लागू करता रहे और उसे दूसरे देशों को मानने पर मजबूर करे। अब आर्थिक से लेकर राजनीतिक स्तर पर शक्ति किसी खास देश में स्थिर या सीमित नहीं है और पिछले दो-तीन दशकों के दौरान विश्व में तेजी से नए ध्रुव खड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में महाशक्ति होने के बावजूद अमेरिका वैश्विक सहयोग और परस्पर निर्भरता के सिद्धांत को अपनी ओर से कुछ समय के लिए टाल भले दे, लेकिन उसे पूरी तरह खारिज नहीं कर सकता।यही वजह है कि कुछ महीने पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह दूसरे कई देशों से आयातित

बहुरुवीय दुनिया में सहयोग ही बचा रास्ता

वस्तुओं पर शुल्क लगाने की घोषणा की थी, उस पर उन्हें दोबारा विचार करना पड़ रहा है। एक ओर, भारत ने अपने ऊपर रूस से तेल खरीद पर जुर्माना समेत पचास फीसद तक शुल्क लगाने के बावजूद अपनी नीतियों में कोई बड़ा बदलाव करना जरूरी नहीं समझा, तो दूसरी ओर चीन भी इससे बहुत चिंतित नजर नहीं आया।अब बीते कुछ दिनों से अमेरिका की ओर से जैसे संकेत आ रहे हैं, उससे साफ है कि शुल्क लगाने को लेकर उसके रवैये में थोड़ी नरमी आ रही है। दरअसल, दक्षिण कोरिया के बूसान में आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान गुरुवार को अमेरिका और चीन के राष्ट्रपति के बीच

मुलाकात के बाद एक-दूसरे के साथ व्यापार को फिर से पटरी पर लाने पर सहमति बनी। उसके बाद व्यापार युद्ध जैसी स्थिति के खतम होने की उम्मीद की जा रही है। यों भी, अगर अमेरिका अपने रुख में बदलाव नहीं लाता है, तो व्यापार युद्ध के असर की आंच उस तक भी पहुंच सकती है।इस क्रम में शी जिनपिंग से बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि चीन के साथ अब दुर्लभ खनिज के व्यापार का मुद्दा सुलझा लिया गया है। इसके साथ ही अमेरिका की ओर से चीन पर लगाए गए शुल्क में दस फीसद की कमी कर दी गई। बदले में अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन खरीदने के लिए चीन तैयार हो गया

सरकारों की नीतिगत विफलता इस त्रासदी का दूसरा बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। भारत की वायु में जहर घुल चुका है। हाल ही में चिकित्सा जनरल में प्रकाशित एक अध्ययन ने यह निष्कर्ष दिया है कि 2010 की तुलना में 2022 में हवा में जानलेवा साबित होने वाले पीएम 2.5 कणों की मात्रा 38 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इस वृद्धि का परिणाम यह हुआ कि भारत में सत्रह लाख से अधिक लोगों की अकाल मृत्यु वायु प्रदूषण के कारण हुई। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि मानवता की उस सांस का हिसाब है जो हमारे शहरों, गांवों और जीवन से हर दिन छीनी जा रही है। प्रदूषण अब केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं रह गया है, यह हमारे विकास, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय के दांचे पर गहरी चोट कर रहा है। यह भी सहज ही समझा जा सकता है कि 2022 की तुलना में अब वायु प्रदूषण ने और गंभीर रूप लेते हुए जानेलेवा हो गया है, क्योंकि बीते तीन वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए ठोस उपाय किए ही नहीं गए। इसका प्रमाण यह है कि इन दिनों दिल्ली समेत देश के अनेक शहर बुरी तरह प्रदूषण की चपेट में हैं। यह न केवल सरकार की शर्मनाक नाकामी है बल्कि भयावह और बेहद दर्दनाक भी है।

जानलेवा प्रदूषण, सरकारों की शर्मनाक नाकामी

(ललित गर्ग)
‘द लैसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ ऐंड क्लाइमेट चेज 2025‘ रिपोर्ट केवल तथ्य नहीं, एक गंभीर चेतावनी है। लैसेट की रिपोर्ट ही नहीं, अलग-अलग वर्षों में विभिन्न संस्थाओं के अध्ययनों ने भी कुछ इसी तरह के चिन्ताजनक आंकड़े पेश किए हैं। भारत की विशाल आबादी के कारण भी यह संख्या बड़ी हो सकती है, मगर यह समस्या गंभीर चिंतन और तत्काल निवारक कदम उठाए जाने की मांग करती है। भारत में प्रदूषण केवल औद्योगिक उत्पादन या वाहनों की बढ़ती संख्या से नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली, असंतुलित शहरीकरण और अनियोजित निर्माण से भी बढ़ रहा है। हर शहर में धूल, धुआं और अव्यवस्था की परतें जमी हैं। निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल, खेतों में पराली जलाने की आदत, घरेलू ईंधनों का अंधाधुंध उपयोग और बढ़ते वाहनों की भीड़-ये सब मिलकर वातावरण को घुटनभरा एवं जानलेवा बना रहे हैं। हमारे शहर अब सांसों के शत्रु बन गए हैं। बढ़ते प्रदूषण की पीड़ा नीति-निर्धारकों से नहीं, उन लोगों से पृष्ठिए, जो खांसेते-खांसेते बेदम हो जाते हैं और आखिरकार कई के फेफड़े-हृदय उनका साथ देना बंद कर देते हैं। विडंबना यह है कि इनमें से ज्यादातर उस गलती की सजा भुगतने को अभिशप्त हैं, जो उन्होंने नहीं की।

वायु में मौजूद सूक्ष्म कण अब हर सांस में जहर बनकर प्रवेश कर रहे हैं। इस प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता है। कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों ने न केवल हवा को जहरीला बनाया है बल्कि हमारे अस्तित्व की नींव को भी कमजोर कर दिया है। इन स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन के कारण लाखों लोग असमय काल के ग्रास बन रहे हैं, लेकिन ऊर्जा नीति में सुधार की गति अत्यंत धीमी है। सरकारें बार-बार स्वच्छ ऊर्जा की बात करती हैं, योजनाएं बनाती हैं, लक्ष्य घोषित करती हैं, पर उनका क्रियान्वयन न के बराबर होता है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस प्रदूषण के शिकार सबसे अधिक वे लोग हैं जो इसके निर्माता नहीं हैं। गरीब मजदूर, झुग्गियों में रहने वाले, बच्चे और बुजुर्ग-ये सभी उस वायु के दंश श्वेल रहे हैं जिसका लाभ अमीरों ने उठाया है। एक ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, अमीर तबके का प्रदूषण में योगदान अत्यधिक है। पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की ‘जलवायु असमानता रिपोर्ट 2025‘ बताती है कि विश्व के सबसे धनी लोग अपनी संपत्ति और निवेशों के माध्यम से जलवायु संकट को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के 4.1 प्रतिशत के लिए निजी पूंजी जिम्मेदार है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रदूषण का असली निर्माता संपन्न वर्ग है, जबकि उसकी कीमत गरीब वर्ग अपनी सांसों और जीवन से चुका रहा है। यह असमानता केवल आय की नहीं, बल्कि पर्यावरणीय न्याय की भी है। अमीरों के पास बड़े वाहन हैं, विशाल भवन हैं, आलीशान



जीवनशैली है, और वे जीवाश्म ईंधनों पर आधारित उद्योगों में निवेश करते हैं। दूसरी ओर, गरीबों के पास न तो स्वच्छ ऊर्जा है, न शुद्ध हवा। जो अमीर लोग निजी विमानों और विलासितापूर्ण संसाधनों का उपयोग करते हैं, वे एक सामान्य नागरिक की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। यह असंतुलन हमारे समाज को विषमता और अन्याय की ओर धकेल रहा है।

सरकारों की नीतिगत विफलता इस त्रासदी का दूसरा बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल संदियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए ‘आपात कदम’ उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती है कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर

विचार-पक्ष

संक्रमण को हमेशा ‘महंगा विकल्प’ बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है।

वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन का प्रतिकूल प्रभाव के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे छिन्ना जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली पर संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी। सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे। नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी

विचार-पक्ष

निभानी होगी। जब तक जनता स्वयं इस समस्या को अपने जीवन का हिस्सा मानकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक राजनीतिक इच्छाशक्ति जागृत नहीं होगी। हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि प्रदूषण से बचाव केवल मास्क लगाने से नहीं होगा, बल्कि सोच और जीवनशैली बदलने से होगा। वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबकें को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। आज आवश्यकता है एक ऐसी राष्ट्रीय चेतना की, जो कहे कि हवा किसी वर्ग की नहीं, समस्त जीवन की संपत्ति है। जब तक यह चेतना जागृत नहीं होती, तब तक हर आंकड़ा, हर रिपोर्ट और हर योजना केवल दस्तावेज बनकर रह जाएगी, और भारत की हवाएं यूं ही जहर बनती रहेंगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

है।गौरतलब है कि दुनिया भर में करीब सत्तर फीसद दुर्लभ खनिजों का खनन चीन में होता है। यहीं नहीं, इसके प्रसंस्करण और निर्यात के लिए भी दुनिया की नब्बे फीसद निर्भरता चीन पर है। यानी संभव है कि इस मामले में चीन की मजबूत स्थिति को देखते हुए ही अमेरिका के रुख में बदलाव आया होे।हालांकि एक दिन पहले ट्रंप ने भारत को लेकर भी पहले के मुकाबले काफी नरम रवैया दर्शाते हुए कहा था कि भारत के साथ अमेरिका व्यापार समझौता कर रहा है। साथ ही, चाबहार बंदरगाह परियोजना पर भी अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत को छह महीने की छूट देने की घोषणा सामने आई।जाहिर है, दूसरे देशों की आर्थिक नीतियों को प्रभावित या संचालित करने की कोशिश के बाद अब अमेरिका इस वास्तविकता को स्वीकार करता दिख रहा है कि दुनिया में राजनीतिक से लेकर आर्थिक स्तर पर शक्ति के ध्रुव जिस रफ्तार से बदल रहे हैं, उसमें कोई एक देश अपना वर्चस्व सब पर थोप नहीं सकता।

अकाल की भयावहता से उपजे अर्थशास्त्री

(ज्ञानेश उपाध्याय)
गरीबी और अकाल के खिलाफ भारत की लड़ाई पुरानी है, जिसमें कदम-दर-कदम कामयाबी मिलती आ रही है। वैसे, एक दौर था, जब गुलाम देश भारत को चिढ़ाते हुए ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चिल ने यहां तक कह दिया था कि भारतीय लोग खरगोशों की तरह बच्चे पैदा करते हैं, जिससे वहां अकाल पड़ता है। अर्थशास्त्र के प्रति अपनी मूर्खता का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने यह भी कहा था कि अकाल इतना ही बुरा होता, तो गांधी उसमें मर न जाते। तब चर्चिल के हाथों में बागडोर थी, तो वह जो मर्जी बक रहे थे। यह वह दौर था, जब खासकर बंगाल में भयानक अकाल पड़ा था। बीस लाख से ज्यादा लोग दाने-दाने के लिए तड़पते काल के गाल में समा गए थे। सुबह हो, दोपहर हो या शाम, हड्डियों का अपना ढांचा लिए अनेक इंसान सड़कों पर डोला करते थे। बंगाल के तमाम गांवों में यह अफवाह उड़ी हुई थी कि कलकत्ते या किसी शहर में चले जाओ, वहां भोजन बंट रहा है। भूखे लोग भागे चले आ रहे थे।

तब बड़े समाचारपत्रों-पत्रिकाओं को सेंसर किया जाने लगा था, जबकि सांस्कृतिक-साहित्यिक पत्रिकाओं में देश-दुनिया के समाचार-विचार छपा करते थे। उनकी चर्चा प्रसिद्ध शिक्षा संस्थान शांतिनिकेतन में भी होती थी। वह दस वर्षीय बालक शांतिनिकेतन में ही पढ़ता था। वैसे, शांतिनिकेतन में सब कुशल मंगल था। वहां कोई अभाव न था, पर एक दिन वहां अचानक एक पागल जैसा आदमी दिखाई पड़ा। फटेहाल, मैले-कुचैले कपड़े, बेतरतीब बड़े हुए बाल, ईसानियत की कमी देख फटी हुई-सी आंखें, अजीब हरकतें। देखकर लगता था कि उसे कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है। उसमें ज्यादा चलने-भागने की ताकत भी नहीं बची है, पर दो बदमाश लड़के उसे भगा और चिढ़ा रहे थे।

खैर, बदमाश लड़कों ने अपना बेरहम तमाशा अभी शुरू ही किया था कि अच्छे लड़कों की एक टोली वहां पहुंच गई। उस टोली में वह दस वर्षीय संवेदनशील बालक भी था। फिर क्या था, बदमाश लड़कों को डांटकर भगा दिया गया। अच्छे लड़के उस लाचार गरीब के पास पहुंचे। वह विश्वास-सा बहुत बरसाया हुआ था। कातर भाव से देखे जा रहा था कि पता नहीं, उसके साथ अब क्या होने वाला है? तभी एक शिक्षक वहां पहुंच गए। इशारों में हुए थोड़े संवाद से यह अनुमान लग गया कि वह व्यक्ति बहुत भूखा है। उसने कई दिनों से कुछ भी नहीं खाया है। उसे तत्काल कुछ खाने के लिए परोसा गया और तब शिक्षक ने बताया- देखो, जब कई दिनों तक किसी इंसान को भोजन नहीं मिलता, तो उसकी बुद्धि काम करना बंद कर देती है, वह विश्वास जैसा हो जाता है। यह ऐसी घटना थी, जिसने उस बालक को सोचने पर विवश कर दिया। वह गहराई से सोचने लगा कि आखिर इस अकाल की वजह क्या है? उसके घर में तो भरपूर भोजन-अनाज है। उसके घर जैसे अनेक संपन्न घर हैं, पर इसी देश में गरीबों का एक विशाल हजूम भी है, जो अकाल से आक्रांत है। लाखों लोग अकाल से मर रहे हैं। बालक ने गौर करना शुरू किया, तो उसे चारों ओर भूख की वजह से भटकते लोग नजर आए। सुबह-सामन उनका आर्तनाद दिलो-दिमाग पर हावी होने लगा। उसकी दादी ने पाबंद कर रखा था कि कोई भूखा मांगने आए, तो तुम एक डिब्बा चावल उसे दे सकते हो, पर उससे ज्यादा नहीं, क्योंकि हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों की मदद करनी है। उन्हीं दिनों एक चाची किसी गरीब भूखे लड़के को घर ले आई थीं। घर में ज्यादा नौकरों की जरूरत नहीं थी, पर उसे दया भाव से रख लिया गया था। बंगाल के अकाल ने ही उस बालक को अर्थशास्त्र के अध्ययन के लिए प्रेरित किया और एक दिन आया, जब दुनिया में उन्हें प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन के नाम से पहचाना गया। उन्होंने अकाल की विभिन्न वजहों की पड़ताल की, जिसके लिए उन्हें दुनिया के सर्वोच्च सम्मान नोबेल से सम्मानित किया गया। उन्होंने दुनिया भर में पड़े अकाल का गहन विश्लेषण करके बता दिया कि कोई सरकार अगर चाहे, तो अकाल को रोक सकती है। अंग्रेजों के समय भयंकर अकाल पड़ते थे, क्योंकि अंग्रेजी शासन बचाव के लिए कुछ भी नहीं करता था। भारत में खाद्य उपलब्धता तो है, पर वंचितों की खाद्य खरीद-श्वमत बढ़ाने की जरूरत है। जैसे, बंगाल के कुख्यात अकाल के समय भी अमीर और मध्यवर्ग सक्षम था, पर चावल की कीमत जब पांच गुना बढ़ गई, उन्होंने यह भी बताया कि अगर सरकार लोकतांत्रिक हो, तो वह अकाल को ज्यादा आसानी से धूल चटा सकती है। 3 नवंबर, 1933 को जन्म लेने वाले अमर्त्य सेन के अध्ययन का लोहा आज पूरी दुनिया मानती है, पर वह आज भी याद करते हैं कि मेरे दिमाग में बंगाल में पड़े अकाल की भयावहता की अमिट छाप है। व्याकुल बच्चों, महिलाओं व पुरुषों की गुहार आज भी मेरे कानों में गूँजती है।

माओवादियों से मोहभंग ने शिक्षा का महत्व बताया

(अखिलेश सिंह)
अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल बजाने वाले और आदिवासी समाज में जागरूकता फैलाने वाले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का प्रखंड है अड़की। मगर आधुनिक विकास की दौड़ में यह इलाका लगातार पीछे ही रहा। खूंटी (झारखंड) जिले के इसी प्रखंड में लादू मुंडा भी पैदा हुए। उनके गांव का नाम है मदहत्तू। मदहत्तू में कोई स्कूल न था। लिहाजा, वहां से कुछ दूर स्थित तुबिल स्कूल से लादू ने आठवीं तक पढ़ाई की। इससे आगे पढ़ने का कोई इंतजाप आस-पास के गांवों में नहीं था। मजबूरन पढ़ाई छूट गई। यह वह दौर था, जब खूंटी और उसके आस-पास माओवादी संगठन अपनी पकड़ मजबूत बना चुके थे। बात साल 2009 के आस-पास की है। मदहत्तू में कुंदन पाहन का दस्ता आने लगा था। कुंदन को तब झारखंड के सबसे बड़े माओवादी नेताओं में गिना जाता था। गांव-गांव में माओवादी जन-सुनावई किया करते और जो समस्याएं स्थानीय प्रशासन या पुलिस नहीं सुलझा पाती, वे उसका तत्काल समाधान कर देते। माओवादी आदिवासी नौजवानों को समझाया करते कि आखिर क्यों वे ऐसे हालात में जीने को मजबूर हैं? गांव वालों से सिस्टम की परेशानियों के बारे में पूछा जाता। गांव के गरीब उनसे प्रखंड कार्यालयों में घूसखोरी की शिकायत करते, तो कभी सड़क-निर्माण में लगे मजदूर उचित मजदूरी न मिलने की पीछा उन्हें सुनाते। माओवादियों ने उनकी इन समस्याओं



को भी सुलझा दिया। माओवादियों का आकर्षण लादू पर गहराता चला गया। वह कुंदन पाहन के दस्ते में शामिल हो गए। साल 2009 के बाद वह दस्ते के साथ गांव-गांव घूमने लगे थे। उन्हें क्रिशोरों, नौजवानों को संगठन से जोड़ने की जिम्मेदारी मिली। लादू को लगता कि इसी रास्ते से उनके हालात बेहतर हो सकेगे।

मगर साल 2011 के बाद उन्हें महसूस होने लगा कि माओवादी सार्वजनिक रूप से जो बातें करते हैं, उनकी असली गतिविधियां उससे बिल्कुल अलग हैं। उन पर यह भी उजागर हो गया था कि लेवी (वसूली) के लिए लोगों को मार दिया जाता है। अक्सर पुलिस मुखबिरी के आरोप में बेगुनाह भी मार दिए जाते। अपने ही बीच के लोगों की यूं हत्याएं देख लादू को सदमा सा लगा। उधर मुरहू बैंक लूटकांड व पुलिस मुठभेड़ के विभिन्न मामलों में उनकी भूमिका को लेकर पुलिस उन्हें तलाश रही थी। परिवार व गांव के लोग पुलिस के निशाने पर थे।

लादू को सबसे ज्यादा दुख तब होता, जब माओवादी निरीह गांव वालों को शक की निगाहों से देखने लगे। वह जिन सपनों के साथ संगठन में शामिल हुए थे, वह तो पहले ही बिखर चुका था। आखिरकार, एक दिन वह भाग खड़े हुए। घर लौटकर जा नहीं सकते थे। ऐसे में, वह ओडिशा में क्योझर चले गए। दो-तीन साल तक वहीं उन्होंने एक खदान में मजदूरी की। मगर एक बेचैनी हमेशा घेरे रही। एक तरफ, पुलिस उन्हें तलाश रही थी और



दूसरी तरफ, माओवादी संगठन के लोगों से खतरा था।

साल 2017 की बात है। एक दिन पुलिस लादू के गांव पहुंची। उनके घर को गिराने की सूचना चिपका दी गई। लादू को अपराध-बोध होता कि उनके कारण पूरे परिवार को भुगतना पड़ रहा। वह चांडिल रस्त्र्वे में आकर रहने लगे थे। वहीं से उन्होंने गांव के लोगों के संपर्क किया और फिर परिजनों की मदद से पुलिस के साथ उनका संवाद कायम हुआ। लादू ने मुख्यधारा



में लौटने की इच्छा जताई और 19 जनवरी, 2017 का वह दिन भी आ गया, जब तत्कालीन डीआईजी अमोल होमकर व एसपी अश्विनी कुमार सिन्हा के समक्ष उन्होंने आत्म-समर्पण कर दिया। कुछ दिन खूंटी जेल में रखने के बाद उन्हें हजारीबाग अपेन जेल भेज दिया गया। यहीं पर आत्म-समर्पण करने वाले माओवादी रखे जाते हैं।

लादू के ऊपर दर्ज कांडों में जमानत के बाद 8 मार्च, 2020 को उन्हें जेल से बाहर आने की इजाजत



मिली। वर्षों बाद मदहत्तू में कदम रखते हुए लादू भावुक हो उठे थे। पूरखों की धरती को चूमते हुए उन्होंने संकल्प लिया कि अब कभी बंदूक नहीं उठाएंगे। खेती ही एकमात्र विकल्प था, क्योंकि आठवीं से आगे वह पढ़ ही नहीं सके थे। लादू के मन में पढ़ाई छूटने की गहरी टीस थी। उन्होंने तुबिल, होचर, कोदलेबे, डाड़ी, पड़सू, हाड़दलामा समेत अन्य गांवों में ग्रामसभाओं में भागीदारी शुरू की। वह गांव वालों को ईंदिरा आवास, वृद्धा पेंशन का लाभ

दिलाने में जुट गए। जिस तुबिल स्कूल से उन्होंने पढ़ाई की थी, उसकी प्रबंधन समिति में उन्हें शामिल कर लिया गया था। लादू ने सबसे पहले प्रखंड के बच्चों को स्कूल से जोड़ने का अभियान ‘मैंने होन को के कुलकोपे’ (बच्चों को स्कूल भेजें) अभियान शुरू किया। गांव-गांव जाकर अभिभावकों को समझाया। किसी तरह परिजन बच्चों को स्कूल भेजने को तैयार हुए, तो नई समस्या आ गई। दरअसल, कुछ अरसे पहले खूंटी में पथलगाड़ी अभियान चलाया गया था, तब अड़की प्रखंड के गांवों के लोगों ने आधार कार्ड नहीं बनवाए थे। जिन्होंने बनवाए भी थे, वे भी पथलगाड़ी समर्थकों के पास उसे जमा कर आए थे। लादू ने एसडीओ से बात की और उन्हें समस्या से अवगत कराया। एसडीओ के हस्तक्षेप से इलाके में बच्चों के नामांकन के लिए आधार कार्ड की तत्काल अनिवार्यता समाप्त कर दी गई। इसके बाद तीन सौ से भी अधिक बच्चों ने स्कूल में नामांकन कराया। तुबिल स्कूल को आठवीं से बढ़ाकर ‘उत्कर्मित मध्य सह प्लस टू हाई स्कूल’ में परिवर्तित कर दिया गया है। अब गांव में ही बच्चे 12वीं तक की शिक्षा पा सकेगे। मुख्यधारा से जुड़ने के बाद लादू की जिंदगी पूरी तरह बदल गई। प्रशासन से उनकी यही अपील थी कि आत्म-समर्पण करने वाले माओवादियों से किए गए वादे निभाए जाएं। उन्हें चार डिसमिल जमीन व स्व-रोजगार के साधन मुहैया कराए जाएं। वे तरक़ी का हिस्सा बनना चाहते हैं, शांति से जीना चाहते हैं।



मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना में भ्रष्टाचार के आरोप: नेताओं ने उठाई उच्च स्तरीय जांच की मांग



भानुप्रतापपुर। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत ब्लॉक में चल रहे स्कूल मरम्मत कार्यों में भारी अनियमितता, कमीशन खोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। स्थानीय नेताओं ने इन कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं और तत्काल उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत स्कूलों के जीर्णोद्धार और मरम्मत का काम किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल प्रदान करना है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि मरम्मत कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है और कई स्कूलों में कार्य सिर्फ कागजों पर पूरे दिखाए गए हैं, जबकि धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। राजनीतिक दलों के नेता व समाज सेवी नेताओं ने खुलकर आरोप लगाया है कि इस योजना के तहत हुए कार्यों में व्यापक स्तर पर कमीशन खोरी की गई है, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा है और स्कूलों की मरम्मत का उद्देश्य विफल हुआ है। आरोप यह भी है कि ठेकेदारों को अपूर्ण और गुणवत्ताहीन कार्यों के लिए भी पूरा भुगतान कर

दिया गया है, जो सीधे तौर पर विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत की ओर इशारा करता है। शिक्षा विभाग और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अधिकारियों पर दबाव बढ़ गया है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो कई अधिकारियों और ठेकेदारों पर गाज गिर सकती है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में मांग की है कि जांच के दौरान जनप्रतिनिधियों और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों को भी शामिल किया जाए ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। यह मामला अब क्षेत्र की राजनीति का एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। सभी की निगाहें अब जिला प्रशासन और राज्य सरकार पर

टिकी हैं कि वे इस मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना घोटाले में क्या कदम उठाते हैं।

‘स्कूल जतन योजना’ में भ्रष्टाचार की उच्च-स्तरीय जांच की मांग की, नहीं तो प्रदर्शन : मिश्रा

शिवसेना के कद्दावर नेता चंद्रमौली मिश्रा ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत भानुप्रतापपुर ब्लॉक में हुए स्कूल मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने प्रदेश के भाजपा सरकार व जिला प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च-स्तरीय जांच कराने की मांग की है। मिश्रा ने दावा किया है कि भानुप्रतापपुर ब्लॉक में पूर्व में

भानुप्रतापपुर और दुर्गकोंडल ब्लॉक की ‘मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना’ में करोड़ों के भ्रष्टाचार की आशंका! ‘बस्तर सेना’ ने उठाई सधन जांच की मांग, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी ‘मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना’ एक बार फिर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में है। भानुप्रतापपुर और दुर्गकोंडल ब्लॉक में हुए करोड़ों रुपये के कार्यों की सधन और सुक्ष्म जांच की मांग जोर पकड़ रही है। ‘बस्तर सेना’ के अध्यक्ष गौरव चोपड़ा ने एक गंभीर बयान जारी करते हुए कहा है कि दोनों ब्लॉकों में योजना के तहत हुए जीर्णोद्धार और निर्माण कार्य केवल कागजों में ही पूरे किए गए हैं, जबकि हकीकत में लाखों रुपये के कार्य या तो हुए ही नहीं हैं, या उनकी गुणवत्ता अत्यंत घटिया है।

गरीबों की शिक्षा का भविष्य दांव पर गौरव चोपड़ा ने इस भ्रष्टाचार पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा है। गरीबों, शोषितों और वंचितों के एकमात्र शिक्षा सरकारी संस्थान भी अगर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ेंगे, तो उनका विकास कैसे संभव है? यह सीधे तौर पर हमारे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। भानुप्रतापपुर और दुर्गकोंडल ब्लॉक में ‘मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना’ के तहत किए गए प्रत्येक कार्य का

भौतिक सत्यापन और सुक्ष्मता से ऑडिट किया जाए। जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों के खिलाफ न केवल विभागीय कार्रवाई हो, बल्कि उन पर कड़ी आपराधिक और वित्तीय कार्यवाही भी की जाए। कागजों पर लाखों रुपये का कार्य दिखाकर निकाली गई समस्त राशि की वसूली की जाए और ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाए। प्रदेशभर में योजना पर सवाल उत्तेजनीय है कि ‘मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना’ में भ्रष्टाचार की खबरें प्रदेश के अन्य जिलों से भी लगातार सामने आती रही हैं।



पदस्थ रहे खंड शिक्षा अधिकारी और संबंधित ठेकेदारों ने मिलीभगत करके स्कूल मरम्मत के फंड में जमकर घोटाला किया है। उनके अनुसार, गुणवत्ताहीन काम हुआ है या कई जगहों पर काम सिर्फ कागजों पर ही पूरा दिखा दिया गया है, जिससे सरकारी राशि का बड़ा हिस्सा

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। वर्तमान में जिला प्रशासन द्वारा केवल दुर्गकोंडल ब्लॉक के कार्यों की जांच कराई जा रही है, जो कि अधूरा कदम है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में मांग की है कि जिस तरह दुर्गकोंडल में जांच हो रही है, उसी प्रकार भानुप्रतापपुर ब्लॉक के स्कूलों में हुए मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्यों की भी पूरी पारदर्शिता के साथ जांच होनी चाहिए।

कड़ी कार्रवाई और प्रदर्शन की चेतावनी
चंद्रमौली मिश्रा ने जांच के बाद दोषी पाए गए संबंधित अधिकारी और ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन उनकी मांगों पर तत्काल ध्यान नहीं देता और भानुप्रतापपुर ब्लॉक के कार्यों की जांच शुरू नहीं की जाती, तो शिव सेना जल्दित में जोरदार प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी।

कोंडागांव में केएनएच हॉस्पिटल के खिलाफ शिवसेना का विरोध प्रदर्शन, आयुष्मान योजना से प्रसव कराने की रखी मांग

कोण्डगांव। शहर के निजी केएनएच हॉस्पिटल के बाहर शिवसेना पार्टी ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मामला एक प्रसव पीड़ित महिला से संबंधित है, जिसे कुछ दिन पूर्व अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जानकारी के अनुसार महिला की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने ऑपरेशन की सलाह दी थी, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने ऑपरेशन की राशि नगद रूप में मांगी, जबकि पीड़ित परिवार आयुष्मान कार्ड योजना के तहत उपचार करवाना चाहता था। बताया गया कि प्रसव के बाद अस्पताल प्रबंधन ने 50 हजार रुपये की मांग की, जिसमें से महिला के पति द्वारा केवल 25 हजार रुपये का भुगतान किया जा सका। बाकी राशि में छूट की मांग पर जनप्रतिनिधियों के



हस्तक्षेप के बाद अस्पताल द्वारा 10 हजार रुपये की छूट दी गई, लेकिन शेष 15 हजार रुपये जमा न करने पर महिला को डिस्चार्ज नहीं किया जा रहा था। इसी मामले की जानकारी मिलने पर शिवसेना पदाधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और गरीब मरीजों से नगद वसूली रोकने की मांग की। शिवसेना का कहना है कि जिले के सभी निजी अस्पतालों में गरीब व जरूरतमंद

मरीजों का उपचार आयुष्मान भारत योजना के तहत किया जाना चाहिए, ताकि उन्हें सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। विवाद के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। के.एन.एच. अस्पताल संचालक डॉ. कुमुद कुमार ने पीड़ित परिवार से शेष राशि माफ करते हुए महिला और नवजात को पूर्ण रूप से स्वस्थ अवस्था में परितर्जनों को सौंप दिया। स्थानीय नागरिकों ने भी कहा कि

किरन्दुल तालाब पारा में धूमधाम से मनाया गया कार्तिक पूजा



किरंदुल। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 05 नवंबर बुधवार प्रातः 06 बजे किरन्दुल तालाब पारा व अन्य स्थानों में धूमधाम से कार्तिक पूर्णिमा मनाया गया। इस दिन का शास्त्रों व पुराणों में विशेष महत्व बताया गया है और इसको महापुनिर्वंष बताया गया है।इस दिन को त्रिपुरी पूर्णिमा, गंगा स्नान आदि नामों से जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान करने का फल पूरे साल गंगा स्नान करने के बराबर मिलता है। शास्त्रों के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा

के दिन है भगवान विष्णु ने अपना पहला अवतार मत्स्य रूप धारण किया और प्रलय काल के दौरान वेदों की रक्षा की थी। इसके साथ ही भगवान शिव ने इसी तिथि पर त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था। जिससे सभी देवतागण बहुत प्रसन्न हुए थे और भगवान विष्णु ने महादेव को त्रिपुरारी नाम दिया और यह तिथि त्रिपुरी पूर्णिमा के नाम से जानी गई। इस दिन चंद्रोदय के समय भगवान शिव और कृतिकाओं की पूजा करने का विधान है। ऐसा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं।

सिख समुदाय ने किरन्दुल गुरुद्वार में हर्षालास के साथ मनाया गुरुनानक जयंती



किरंदुल। सिख धर्म के गुरुओं में प्रथम गुरुनानक देव का जन्मदिवस गुरुनानक जयंती किरन्दुल में हर्षालास के साथ मनाया गया। लोहनगरी के एकमात्र गुरुद्वारा में शब्द कीर्तन सह अनेक कार्यक्रम के साथ गुरु नानक जयंती सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने विराट लंगर का आयोजन किया। कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सचिव बंटी ओझा कोषाध्यक्ष सुखदेव सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव के जन्म दिवस के अवसर पर सिक्ख धर्मावलंबी इसे

प्रकाश पर्व के रूप में मनाते है गुरुनानक देव ने समाज को एकता में बांधने और जाति-पाति को मिटाने के लिए हमेशा प्रयास किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा में सामूहिक लंगर कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें शहरी ग्रामीण बड़ी संख्या में लोग जुटे। इस अवसर पर किरन्दुल नगरपालिका अध्यक्ष रूबी सिंह, एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण, महाप्रबंधक उत्पादन के पी सिंह, डीजीएम एचआर के एल नागवेणी, इंटक सचिव ए के सिंह व अन्य उपस्थित थे।

धान खरीदी की तैयारी को लेकर दिए निर्देश

कोण्डगांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। साथ ही समय-सीमा में लंबित आवेदनों पर कार्यवाही की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने धान खरीदी की तैयारी की भी समीक्षा की और उपार्जन केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए सीमावर्ती इलाकों के चेकपोस्ट में निगरानी एवं जांच हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने को कहा। बैठक में ई ऑफिस प्रणाली के माध्यम से फाइनल प्रस्तुत करने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा



योजना के क्रियान्वयन के संबंध में भी विभागीय अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सुपोषित जीवन अभियान के तहत सुपोषण को लेकर नागरिकों को जागरूक करने के लिए विभिन्न ग्राम पंचायतों में मशाल रैली आयोजित करने को कहा। इस दौरान पीएम विद्या के तहत जिले के स्कूलों में ऑनलाईन पढ़ाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासों में जल संचयन को बढ़ावा देने हेतु वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शुरू हो रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए सभी एसडीएम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उत्कल समाज किरन्दुल द्वारा धूमधाम से मनाया गया कार्तिक पूर्णिमा पर्व



किरंदुल। लोहगरी किरन्दुल श्री जगन्नाथ मंदिर में उत्कल समाज विकास परिषद द्वारा कार्तिक पूर्णिमा धूमधाम से मनाया गया। बता दें इस अवसर पर उत्कल समाज के लोगों द्वारा बोड़त बंदन उत्सव मनाते हैं। इस दिन नदी में स्नान स्नान करते हैं और केले के तने से बनी नाव को नदी व पानी में छोड़ते हैं। जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष आर सी नाहक ने बताया कि पहले ओड़िया समुदाय के लोग समुद्री मार्ग से

व्यापार करने के लिए देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जाते थे। बारिश के मौसम में व्यापारिक यात्रा बंद हो जाती थी।कार्तिक पूर्णिमा के दिन फिर से इस यात्रा की शुरुआत की जाती थी। इसलिए उत्कल समाज के लोग बोड़त बंदन उत्सव मनाते हैं। साथ ही महिलाओं द्वारा तुलसी पौधों के सामने रंगीली बनाकर तुलसी पौधा में जल चढ़ाकर भगवान विष्णु के राय दामोदर स्वरूप की पूजा करते हैं।

व्यापार करने के लिए देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जाते थे। बारिश के मौसम में व्यापारिक यात्रा बंद हो जाती थी।कार्तिक पूर्णिमा के दिन फिर से इस यात्रा की शुरुआत की जाती थी। इसलिए उत्कल समाज के लोग बोड़त बंदन उत्सव मनाते हैं। साथ ही महिलाओं द्वारा तुलसी पौधों के सामने रंगीली बनाकर तुलसी पौधा में जल चढ़ाकर भगवान विष्णु के राय दामोदर स्वरूप की पूजा करते हैं।

यह हमारे समाज और सिस्टम की असंवेदनशीलता का नतीजा है

नाबालिग की आत्महत्या ने उठाए सवाल-आखिर जिम्मेदार कौन?

सुकमा। सुकमा जिले की यह घटना हर किसी को झकझोर देने वाली है। 17 साल के एक नाबालिग बच्चे ने आत्महत्या कर अपनी जिंदगी खत्म कर ली। यह सिर्फ एक परिवार का दुख नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। हम सब समय रहते उसकी पीड़ा को समझ नहीं पाए। राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी के प्रयास से यह को अंपराध या शर्म की चीज माना जाता है, जबकि यह एक मानसिक और सामाजिक सच्चाई है, जिसे समझने की जरूरत है। नाबालिग पर किसने ऐसा मानसिक दबाव दिया, और कैसे उसे इस हालत तक पहुंचा दिया गया। इस मामले की ईमानदारी से जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही बाल कल्याण के नाम पर चल रहे जिम्मेदार विभागों की भूमिका पर भी पुनर्विचार होना चाहिए। यह

कुछ ऐसे लोगों के संपर्क में था जो उसके मन और सोच पर असर डाल रहे थे। जिनसे वह बच्चा मिलता-जुलता था। यह एक गहरी चिंता का विषय है। अगर यह पहला मामला है, तो इसे हल्के में लेने की गलती नहीं की जानी चाहिए। इस घटना को सिर्फ आत्महत्या कहना गलत होगा। यह हमारे समाज और सिस्टम की असंवेदनशीलता का नतीजा है। आज भी ‘लिंग पहचान’ जैसी बात को अपराध या शर्म की चीज माना जाता है, जबकि यह एक मानसिक और सामाजिक सच्चाई है, जिसे समझने की जरूरत है। नाबालिग पर किसने ऐसा मानसिक दबाव दिया, और कैसे उसे इस हालत तक पहुंचा दिया गया। इस मामले की ईमानदारी से जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही बाल कल्याण के नाम पर चल रहे जिम्मेदार विभागों की भूमिका पर भी पुनर्विचार होना चाहिए। यह



घटना बताती है कि सिर्फ कानून बनाकर बच्चों की सुरक्षा नहीं की जा सकती। उन्हें भावनात्मक सहाय, समझ और सुरक्षित माहौल की उतनी ही जरूरत है। अगर समाज समय रहते ऐसे बच्चों की बातें सुने और उन्हें अपनाए, तो शायद ऐसी त्रासदी दोबारा न हो। इस विषय पर शुरू से ही संज्ञान लेकर पीड़ित मां को न्याय दिलाने का प्रयास कर रहीं समाज सेविका अधिवक्ता दीपिका शोरी, सदस्य छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग से मिलकर हमने इस पूरे प्रकरण पर बात की तो उन्होंने बहुत ही भावुक और दुःखित मनस्थिति से कहा कि- दीपिका शोरी (सदस्य छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग)- इस नाबालिक बच्चे का यह मामला कोई साधारण मामला नहीं था जन्म

से बालक लिंग में जन्मे इस बच्चे को सुकमा जिले के एक युवक के द्वारा डॉक सिखाने के बहाने बेन वास कर उसे अपने घर से बार-बार बाहर जिले में ले जा कर उसका क्या किया जा रहा था यह किसी को भी नहीं मालूम, उस नाबालिग बच्चे का पहनावा पूरी तरह से बदल गया, वह लड़कियों की तरह बात करना और लड़कियों की तरह ही कपड़े पहने लगा, उस बच्चे का ब्रेनवाश इस कदर किया गया था कि वह अपना लिंग भी परिवर्तन करवा कर लड़की बनना चाह रहा था ,हमोम परिवर्तन के लिए दवाई भी खा रहा था और भी कई प्रकार की दवाई खा रहा था,सुकमा जिले के नयापारा में एक सन्दिग्ध युवक से किराया का मकान लेकर किन्नर समाज भी रह रहा है,जिसके संपर्क में यह नाबालिक बच्चा था। इस मामले के प्रारम्भ से ही मैंने

अपना सम्पूर्ण प्रयास किया कि इस बच्चे की मानसिक दशा सुधर जाए परन्तु मुझे बेहद दुख है कि इस मामले का अंत इतना दुखद हुआ कि इस 17 वर्षीय बच्चे ने अपने घर में अपने जीवन का अंत कर लिया आत्म हत्या कर ली जिसकी सूचना मिलने पर मैं तुरंत उसके निवास पहुंचकर दुःखित परिजनों से भेंट कर उन्हें सम्बल प्रदान किया व पुलिस व फोरेंसिक दल के जांच के दौरान दर रात तक उपस्थित रही मैं बहुत ही दुःखी हूँ और बहुत ही द्रवित मन से मेरा सवाल है कि इस नाबालिक बच्चे के मौत का जिम्मेदार आखिर कौन है ?आज यह शुरूवात हुई है जिले मे कई बच्चे और भी इन किन्नरों से प्रभावित हो सकते है। यह मामाला जिले का पहला मामला है ? जल्द ही इस प्रकरण की पूर्ण पारदर्शिता से जांच होनी चाहिए और

विद्युत क्षमता वृद्धि से कोण्डगांव में नई ऊर्जा, बेहतर और स्थायी विद्युत वितरण की दिशा में बड़ा कदम

कोण्डगांव। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत कोण्डगांव जिले में विद्युत प्रणाली को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और बड़ी सफलता दर्ज की गई है। वन मंत्री एवं नारायणपुर विधायक केदार कश्यप, बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डगांव विधायक लता उंसडी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम तथा कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार, कार्यपालक निदेशक (जगदलपुर) टीके मेश्राम, अधीक्षण अभियंता एचके सुवंशीय के मार्गदर्शन और कार्यपालन अधीयता (कोण्डगांव) आरएल सिंह के सतत प्रयासों से जिले की विद्युत क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। 33/11 केवी विश्रामपुरी उपकेंद्र के 3.15 एमवीए पावर ट्रांसफॉर्मर को अपग्रेड कर 5 एमवीए की क्षमता में परिवर्तित किया गया है। इस तकनीकी ज्ञयन से विशेषकर कृषि क्षेत्र के उपभोक्ताओं को अब अधिक स्थिर, निर्बाध और गुणवत्ता पूर्ण विद्युत आपूर्ति



मिल सकेगी। इसी क्रम में जिले के माकडी, बीजापुर, किबाई बालेंगा, गिराला एवं बोरगांव स्थित 33/11 केवी उपकेंद्रों में भी 3.15 एमवीए ट्रांसफॉर्मर को 5 एमवीए क्षमता में अपग्रेड करने के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इसके साथ ही 33/11 केवी उपकेंद्र रांधना के बरकई एवं रांधना फीडर, बड़े डोंगर उपकेंद्र के भूमका फीडर तथा फरसगांव उपकेंद्र के सोनाबेड़ा फीडर की क्षमता वृद्धि हेतु भी प्रशासनिक मंजूरी

मिल चुकी है। इन सभी परियोजनाओं के पूर्ण होने पर जिले में ओवरलोड और लो वोल्टेज की समस्या का प्रभावी समाधान होगा। साथ ही उपभोक्ताओं को निरंतर, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। यह उपलब्धि न केवल कोण्डगांव की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएगी, बल्कि आने वाले समय में जिले के औद्योगिक और कृषि विकास को भी नई गति प्रदान करेगी।



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में रेलवे पेंशनर्स के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (फेस आधारित) जमा करने हेतु शिविर प्रारंभ



बिलासपुर। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के निर्देशानुसार रेलवे बोर्ड द्वारा सभी जोनल रेलों को 01 से 30 नवम्बर, 2025 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0 आयोजित किया गया है । इस अभियान का उद्देश्य पेंशनभोगियों के डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा देना तथा उन्हें अपने घर से या अपनी पेंशन वितरण बैंक शाखा से डिजिटल रूप में जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में सुविधा प्रदान करना है । इसी क्रम में, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर द्वारा रेलवे पेंशनभोगियों की सुविधा के लिए टैगोर लाइब्रेरी, न्यू जीएम बिल्डिंग (ग्राउंड फ्लोर), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में 1 से 30 नवम्बर, 2025 तक एक विशेष डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट शिविर आयोजित किया जा रहा है । यह शिविर कार्य दिवसों में कार्यालयीन समय के दौरान संचालित होगा । इस सुविधा का लाभ किसी भी बैंक शाखा से पेंशन प्राप्त करने वाले सभी रेलवे पेंशनभोगी उठा सकते हैं। शिविर में फेस-आधारित डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है । रेल प्रशासन ने सभी पेंशनभोगियों से अपील की है कि वे इस डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान में भाग लेकर इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाएं और अपने जीवन प्रमाण पत्र समय पर जमा करें ।

उद्यमियों को बैंकिंग एवं वित्तीय मार्गदर्शन देने कार्यशाला 7 को

बिलासपुर। रैम्प योजना के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) इकाइयों, महिला उद्यमियों, स्व सहायता समूह तथा कारीगरों को बैंक ऋण, सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय सहायता से जोड़ने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला 7 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से जल संसाधन परिसर के प्रार्थना सभा भवन में होगी। कार्यशाला में विभिन्न बैंकों द्वारा ऋण योजनाओं की जानकारी, एमएसएमई एवं शाखाओं से संबंधित वित्तीय समस्याओं का समाधान, क्रेडिट लिंकड योजनाओं की जानकारी, उद्यमियों और बैंकर्स के मध्य प्रत्यक्ष संवाद, महिला उद्यमियों एवं एसएचजी हेतु विशेष मार्गदर्शन दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बिलासपुर एवं ए श्रीधर राव मो.न. 7587097969 से संपर्क कर सकते है।

सदस्यता सूची पर दावा आपत्ति 16 नवम्बर तक

बिलासपुर। बिलासपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड की सदस्यता सूची का प्रथम प्रकाशन कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 10 नवम्बर से 16 नवम्बर 2025 तक शाखा प्रबंधक श्री शुभम मित्तल के पास बैंक कार्यालय बिलासपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड में अथवा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री आर के गुप्ता के समक्ष कार्यालय संयुक्त आगुक्त सहकारिता एवं संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएं बिलासपुर में प्रस्तुत कर सकते है। आपत्तियों का निराकरण एवं अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 18 नवम्बर को होगा।

कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक, विभागीय कार्यों की हुई समीक्षा

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाज एवं शासकीय कार्यों के क्रियान्वयन स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्य प्रगति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने टीएल के विभागवार लम्बित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए शीघ्र निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर श्री वसंत ने जिले के सभी हॉस्पिटल में नर्सिंग होम एक्ट के सभी निर्धारित मानकों का पालन कराना सुनिश्चित करने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए। इस हेतु एसडीएम को राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम का गठन कर सभी हॉस्पिटल का निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया।

वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ पर जिले में होंगे वर्षभर विविध कार्यक्रम का आयोजन

चार चरणों में होंगे आयोजन, कलेक्टर ने तैयारियों के दिए निर्देश

बिलासपुर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा वर्षभर राज्यभर में विविध कार्यक्रमों होंगे। जिले में इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने संबंधित विभागों को इस संबंध में तैयारियों के निर्देश दिए हैं। आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के माध्यम से देशभक्ति, एकता और सांस्कृतिक गौरव की भावना को जन-जन तक पहुँचाना है। संस्कृति विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, यह आयोजन चार चरणों में संपन्न होगा। पहला चरण 7 से 14 नवम्बर 2025, दूसरा चरण 19 से 26 जनवरी 2026, तीसरा चरण 8 से 15 अगस्त 2026, चौथा चरण 1 से 7 नवम्बर 2026 तक होगा। पहले चरण का शुभारंभ 7

नवम्बर 2025 को किया जाएगा, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संदेश सभी जिलों में प्रसारित किया जाएगा और सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया जाएगा। इस अवसर पर जिलेभर में सांस्कृतिक और जनभागीदारी गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। जिले के साथ ही जनपद स्तर और ग्राम पंचायत स्तर पर भी इस अवसर पर विभिन्न आयोजनों के निर्देश दिए गए हैं। इन आयोजनों के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों में देशभक्ति गीत, नृत्य, निबंध, वाद-विवाद, चित्रकला, पोस्टर निर्माण, कवि सम्मेलन तथा लघु फिल्म प्रदर्शन जैसे विविध कार्यक्रम होंगे। प्रमुख गायकों और स्थानीय कलाकारों द्वारा वंदे मातरम के विभिन्न स्वरूपों की प्रस्तुति दी जाएगी। नागरिकों एवं विद्यार्थियों को इस आयोजन में भाग लेने के लिए 1डूबुदुदुदुदुदुदुदुदुदु150.दुदुदु पोर्टल पर ऑनलाइन

केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने सराहे एसईसीएल के तकनीकी एवं निवारक सतर्कता प्रयास

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलभैल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का समापन समारोह 3 नवम्बर 2025 को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर स्थित ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के भूतपूर्व सदस्य (रेलवे ऑपरेशन एवं बिजनेस डेवलपमेंट) श्री रविन्द्र गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। मंच पर निदेशक (तकनीकी-संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार,मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन एवं निदेशक (तकनीकी-योजना/परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र तथा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्री दुहन ने अपने संबोधन में कहा कि यह पूरे एसईसीएल परिवार के लिए गर्व की बात है कि सतर्कता के क्षेत्र में किए जा रहे हमारे नवाचारपूर्ण प्रयासों को केंद्रीय सतर्कता आयोग ने सराहा है।



उन्होंने कहा, सफलता तभी संभव है जब हम टीम भावना से कार्य करें और हर स्तर पर ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को आत्मसात करें। मुख्य वक्ता श्री गोयल ने कहा कि सतर्कता की जिम्मेदारी केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं है, यह व्यक्ति के पूरे जीवन और परिवार तक विस्तारित होती है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्त करना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही आवश्यक है कि हम सही और नैतिक मार्ग का चयन करें। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य सतर्कता

अधिकारी श्री हिमांशु जैन ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि इस वर्ष की थीम सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक जीवनदृष्टि है। उन्होंने कहा कि सतर्कता सुनिश्चित करना केवल किसी एक विभाग या व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी और खनिक इस जिम्मेदारी की मजबूत कड़ी हैं। श्री जैन ने तीन माह तक चले विशेष सतर्कता अभियान के दौरान विभाग द्वारा की गई गतिविधियों की जानकारी भी

दी। समारोह की शुरुआत में अतिथियों ने परिसर में पौधारोपण किया। तत्पश्चात दीप प्रवलन और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत प्रस्तुत किया गया तथा सतर्कता प्रतिज्ञा का सामूहिक पाठ मुख्य अतिथि द्वारा कराया गया। इस अवसर पर मंचस्थ अतिथियों द्वारा सतर्कता अभियान की गतिविधियों पर केन्द्रित स्मारिका 'व्संदन' एवं सिस्टेमिक

इमप्रोवमेंट्स पर एक हैंडबुक' का विमोचन किया गया। इस अवसर सप्ताह के दौरान आयोजित गतिविधियों पर आधारित सतर्कता गैलरी का भी किया प्रदर्शन किया गया जोकि कार्यक्रम के प्रमुख अकर्षणों में से एक रही। गैलरी में सतर्कता विभाग की पहलों एवं ऑनलाइन प्रयासों जैसे जटायु डाइसबोर्ड के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में डीएवी स्कूल की छात्राओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुति दी तथा अग्रज नाट्य दल, बिलासपुर ने सतर्कता संदेश पर आधारित नाटक का मंचन कर सबका मन मोह लिया। समापन सत्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित निबंध, वाद-विवाद एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों के करकमलों से सम्मानित किया गया। ये प्रतियोगिताएं एसईसीएल मुख्यालय के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों, विद्यालयों और महाविद्यालयों में आयोजित की गई थीं। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (खनन) श्री शशांक अग्रवाल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री एन. नागेश्वर राव ने प्रस्तुत किया।

समावेशी शिक्षा अभियान के तहत दिव्यांग बच्चों को मिली विशेष सहायता सामग्री....

बिलासपुर। समावेशी शिक्षा अभियान के तहत विशेष आवश्यकता वाले (दिव्यांग) बच्चों को उनके अध्ययन हेतु शाला में निरंतर रूप से बने रहने व शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ाव बनाए रखने के उद्देश्य से सहायक शिक्षण उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम के तहत बच्चों को स्मार्ट एल्बम और सुनने की मशीन सहित अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री वितरण की गई। इस अवसर पर प्राथमिक शाला उसराभाठा में अध्ययनरत छात्र विनायक कश्यप, पिता मुकेश कश्यप, कक्षा 5वीं को आवश्यक सामग्री जिला परियोजना कार्यालय एवं समग्र शिक्षा के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत प्रदान की गई। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। इससे न केवल उनकी शिक्षा में निरंतरता



बनी रहेगी, बल्कि आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। इस अवसर पर जिला परियोजना कार्यालय एवं विकास खंड स्रोत केंद्र बिल्हा के

ग्रामीण के मार्गदर्शन श्रीमती पूर्णिमा खोबागढे ,कु. सुमिता दिवाकर द्वारा सामग्री का वितरण किया गया।

जिले में अभियान चलाकर नक्शा बटांकन कार्य में प्रगति लाने के दिए निर्देश

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर तहसीलवार राजस्व प्रकरणों के निराकरण की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने लंबित सभी राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने तहसीलवार अविवादित-विवादित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, नक्शा बटांकन, अभिलेख शुद्धता, ई-कोर्ट प्रकरण सहित सभी राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। अविवादित नामांतरण के आवेदनों की समीक्षा करते हुए उन्होंने लंबित प्रकरणों के निराकरण में सभी तहसीलदारों को विशेष प्रयास करने एवं निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी

तहसीलदारों को नक्शा बटांकन के कार्यों को गम्भीरता से लेते हुए अगले 15 दिवस में जिले में अभियान चलाकर नक्शा बटांकन के कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस हेतु राजस्व निरीक्षक, पटवारियों को सक्रियता से कार्य करने एवं तत्परता से कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी एसडीएम को इस कार्य का नियमित मॉनिटरिंग करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने सभी तहसीलों में लंबित 1 से 3 वर्ष, 3- 5 वर्ष एवं 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित भू अर्जन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण में राजस्व अधिकारियों को व्यक्तिगत रुचि लेते हुए शीघ्रता से निराकृत करने की बात कही। त्रुटि सुधार के आवेदनों को भी गम्भीरता से निराकरण करने के लिए कहा।

रेल हादसे के घायलों से मिले विधायक अमर अग्रवाल अस्पतालों में उपचार की स्थिति का लिया गया जायजा

बिलासपुर। बीते मंगलवार को बिलासपुर के लालखदान क्षेत्र में हुए दर्दनाक रेल हादसे में घायल हुए लोगों से नगर विधायक अमर अग्रवाल ने अरपा मेंडिसिटी, रेलवे अस्पताल,सिम्स और अपोलो अस्पताल में जाकर मुलाकात की और उनका हाल जाना। अमर अग्रवाल ने चारों अस्पतालों में उपचाररत मरीजों की स्थिति को जानकारी लेते हुए अस्पताल प्रबंधन एवं डॉक्टरों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को निर्देशित किया। नगर विधायक ने घायलों के परिजनों से भी मुलाकात की और उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि राज्य सरकार और प्रशासन घायलों की हर संभव मदद कर रही हैं,तथा लगातार उनकी स्थिति में सुधार हो इसका प्रयास किया जा रहा है। साथ ही अस्पताल में



भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और सरकार द्वारा मिल रही सहायता पर अपनी संतुष्टता व्यक्त की। जानकारी के मुताबिक हादसे में 17 लोग घायल हुए हैं,जिनमें से तुलाराम अग्रवाल,आराधना निषाद, नीरज

निषाद सहित 6 लोग अभी विशेष चिकित्सा निगरानी में है। इस हादसे में देवरीखुर्द का डेढ़ वर्ष का मासूम बालक भी हताहत हुआ है। अमर अग्रवाल ने अस्पताल में उस बच्चे की बुआ से मुलाकात कर उनसे संवेदना व्यक्त की और उन्हें

दाढस बंधाया।अपोलो अस्पताल में उन्होंने प्रबंधन प्रभारी अभय गुप्ता से घायलों के इलाज संबंधित सभी आवश्यक उपकरणों और सामग्री की जानकारी ली और समुचित उपचार की व्यवस्था करने को कहा साथ ही मरीजों के परिजनों से मिलकर उन्हें सरकार की ओर से सभी संभव सहयोग प्रदान करने की बात कही। अमर अग्रवाल ने यह विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार और प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और सभी घायलों को आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु कामना करते हुए उनके परिवारजनों को इस कठिन घड़ी में धीरज रखने की प्रार्थना की ।

बैकुण्ठ चतुर्दशी एवं कार्तिक पूर्णिमा पर अरपा नदी में की दीप दान



बिलासपुर। बैकुण्ठ चतुर्दशी एवं कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ब्राह्मण युवा आयाम बिलासपुर द्वारा दीप दान एवं अरपा आरती का भव्य आयोजन गली नंबर 1 जबड़ापारा सरकंडा के घाट में किया गया जिसमें श्री लक्ष्मी नारायण जी की आरती, गंगा आरती एवं अरपा मैय्या की आरती का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ों की संख्या में ब्राह्मण युवा आयाम के पदाधिकारीगण एवं आम जन उपस्थित थे तथा

सभी ने दीप प्रज्वलित कर नदी में छोड़ा तत्पश्चात फटाखा फेड़ कर आतिशबाजी कर नदी घाट में ही देव दीपावली मनाई गई इस दीप दान एवं अरपा आरती कार्यक्रम में ब्राह्मण युवा आयाम के अध्यक्ष ज्योतिन्द्र उपाध्याय, रविन्द्र उपाध्याय, कमलेश दुबे, मानस मिश्रा, पीयूष शुक्ला, वीणा तिवारी, आरव्या शुक्ला, हरिम पाण्डेय,अर्चना शर्मा, मंजु सोनी, माया सोनी, प्रीति निर्मलकर, ममता सोनी आदि उपस्थित थे।

भिलाई में कार्तिक पूर्णिमा पर भव्य दीपदान महोत्सव,बैकुंठधाम सूर्यकुण्ड मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, 51हजार दीप प्रज्ज्वलित के साथ श्रमवीरों का सम्मान



भिलाई,संवाददाता बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली मनाई गई।इस अवसर पर भिलाई के केम्प-2 स्थित बैकुंठधाम सूर्यकुण्ड मंदिर प्रांगण में एक विशाल दीपदान महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें 51 हजार दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए आर एस एस के राष्ट्रीय पदाधिकारी बिसरा राम यादव द्वारा श्रमवीरों का सम्मान किया गया।इस दौरान सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय तिवारी, समाजसेवी और भाजपा नेता चंद्रिका तिवारी, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभुनाथ मिश्रा मंच, वरिष्ठ भाजपा नेता बुधन ठाकुर, वरिष्ठ भाजपा नेता विष्णु पाठक, त्रिलोचन सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन नीरज तिवारी ने किया तो आभार प्रदर्शन भारत सेवा संघ अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सोनी ने किया।

-देव दीपावली का विशेष महत्व- हिंदू धर्म में कार्तिक पूर्णिमा का दिन अत्यंत पवित्र माना जाता है, क्योंकि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सभी देवता पृथ्वी पर आकर दीपावली मनाते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शिव ने इसी दिन त्रिपुरासुर राक्षस का वध किया था, जिसके बाद देवताओं ने दीप जलाकर खुशियां मनाई थीं। इस शुभ अवसर पर पवित्र नदियों या मंदिरों के कुडों में दीपदान करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है और पापों का नाश होता है।

भक्त्य श्रीराम कथा महोत्सव का शुभारंभ विधिवत कलश यात्रा के साथ हुआ



सम्मिलित होकर भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन से प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

‘जशपुर जम्बूरी 2025’ का भव्य आयोजन कलेक्टर रोहित व्यास ने देश देखा पहुंचकर तैयारी की जानकारी ली

जशपुरनगर। जशपुर जिले में 6 से 9 नवम्बर तक ‘जशपुर जम्बूरी 2025’ का आयोजन किया जा रहा है। इस चार दिवसीय आयोजन में किसी के युवाओं के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों और अन्य राज्यों से आने वाले पर्यटक भी शामिल होंगे। जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। आज कलेक्टर रोहित व्यास एवं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने देश देखा पहुंचकर आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम में शामिल होने वाले पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पानी, बिजली, सुरक्षा, चिकित्सा, पार्किंग आवागमन, कैपिंग साइट और ग्राम केरा स्थित होमस्टे का निरीक्षण कर आवश्यक



दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर व्यास ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यस्थलों पर जाकर तैयारियों की समीक्षा करें और संभावित कमियों को शीघ्र दूर करें। उन्होंने यह भी कहा कि सभी साहसिक गतिविधियां सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए संचालित हो, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। चार दिवसीय ‘जशपुर जम्बूरी’ में प्रतिभागियों को रोमांच, कला और संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। पहले दिन पंजीयन एवं स्वागत सत्र के बाद आइस-ब्रेकर गेम्स और रचनात्मक आर्ट वर्कशॉप आयोजित होंगी। दोपहर में रॉक क्लाइम्बिंग, जू-जिट्सू, जू-जिट्सू और रैपलिंग जैसी एक्साइजिंग गतिविधियां होंगी, जबकि शाम को कल्चरल एंड फन इवनिंग तथा रात में स्टारगेजिंग सेशन आयोजित किया जाएगा। दूसरे और तीसरे दिन प्रतिभागियों को दो समूहों कू दशदेखा और मयाली कू में विभाजित किया जाएगा। मयाली समूह कायाकिंग, पैराग्लाइडिंग, एटीवी, पेंटबॉल, हॉट एयर बलून जैसी वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का आनंद लेगा।



गुरु नानक देव जी की 556 वें प्रकाश पर्व पर निकाली गई नगर कीर्तन में ‘गतका’ का हैरतअंगेज प्रदर्शन करते सिख युवक

लोकतंत्र प्रहरी/फोटो/नाहीद शेख

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत तीर्थयात्री द्वारिका, सोमनाथ और नागेश्वर के लिए आज हुए रवाना



दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के महत्वकांक्षी योजना मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन के तहत दुर्ग संभाग के 800 तीर्थयात्री आज दुर्ग रेलवे स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से द्वारिका, सोमनाथ और नागेश्वर के लिए दोपहर 12 बजे रवाना हुए। ट्रेन को अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं अहिलारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, नगर निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमरा, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष सरस्वती बजौर और कलेक्टर अभिजीत सिंह ने हरी झण्डी दिखाकर गंतव्य को रवाना किया। इससे पूर्व विधायक कोर्सेवाड़ा एवं अन्य अतिथियों ने ट्रेन में यात्रियों से रू-ब-रू चर्चा कर उन्हें शुभकामनाएं दिये। यात्रा में कुल 800 तीर्थयात्री सम्मिलित हुए हैं जिसमें जिला दुर्ग से 459 तीर्थ यात्री, जिला बेमेतरा से 189 तीर्थ यात्री, जिला बेमेतरा से 146 तीर्थ यात्री एवं समाज कल्याण संचालनालय छ.ग. से 6 यात्री सम्मिलित है। उक्त यात्रा में यात्रियों की देख-रेख हेतु नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी, अनुसूक्षक एवं स्वास्थ्य संबंधी रख रख हेतु चिकित्सक टीम (तीनों जिलों से) शामिल है। तीर्थयात्रियों में यात्रा के प्रति काफी उत्साह देखा गया। उन्होंने शासन की इस योजना की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री साय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जिला एवं पुलिस प्रशासन, पर्यटन एवं रेलवे के अधिकारी और बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

दुर्ग में चलती कोयला लदी ट्रक में भीषण आग, खारुन नदी ब्रिज पर धूं-धूं कर जली



दुर्ग। कुम्हारी,जिले से इस वक एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां कुम्हारी थाना क्षेत्र में खारुन नदी के ब्रिज पर एक चलती ट्रक में भीषण आग लग गई। ट्रक में कोयला लदा हुआ था, जो देखते ही देखते धूं-धूं कर जलकर खाक हो गया। आग लगने का कारण भिन्नहाल अज्ञात बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, कोयला लदा एक ट्रक कुम्हारी से रायपुर की ओर जा रहा था। जैसे ही ट्रक खारुन नदी के ब्रिज के बीचों बीच पहुंची, अचानक ट्रक से धुआं निकलने लगा। धुआं निकलते देख सतर्क ड्राइवर ने तत्काल ट्रक रोक दी और नीचे उतर गया। जब उसने जांच-पड़ताल की तो पाया कि कोयले के भीतर आग सुलग रही थी। ड्राइवर कुछ समय पाता, इससे पहले ही कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग की लपटें आसमान छूने लगीं और पूरा ट्रक जलकर स्वाहा हो गया। पुलिस और दमकल विभाग मौके पर- इस घटना की सूचना तत्काल कुम्हारी थाने को दी गई। सूचना मिलते ही कुम्हारी थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित किया। प्लिहाल, दमकल विभाग (फायर ब्रिगेड) को भी सूचना दे दी गई है और आग बुझाने का प्रयास जारी है। आग लगने के कारण ब्रिज पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया था। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

दूध डेयरी के नाम पर 46 लाख की ठगी का पर्दाफाश-बैंक मैनेजर समेत 8 आरोपी गिरफ्तार



दुर्ग। दुग्ध डेयरी और प्रधानमंत्री पशु लोन योजना के नाम पर ग्रामीणों से 46 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफंड किया है। पुलिस ने इस मामले में अब तक कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें एचडीएफसी बैंक के मैनेजर भी शामिल हैं। मामले की शुरुआत तब हुई जब प्रार्थिया चन्द्रिका पटेल, निवासी ग्राम घोटा (थाना धमधा) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि मधु पटेल, ग्राम परसकोल, धमधा निवासी, ने एचडीएफसी बैंक धमधा के कर्मचारी विकास सोनी के साथ मिलकर उसे और अन्य 26 ग्रामवासियों को दूध डेयरी और पशु लोन दिलाने का झांसा दिया। आरोपियों ने ग्रामीणों को बताया कि प्रधानमंत्री पशु लोन योजना के तहत 40 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी और ब्याज भी बहुत कम लगेगा। इस लालच में आकर ग्रामीणों के नाम पर एचडीएफसी बैंक में खाते खुलवाए गए। आरोपियों ने प्रत्येक खाताधारक से सिव्योरिटी के नाम पर तीन-तीन चेक लिए और फिर उन्हीं चेकों के माध्यम से ग्रामीणों के खातों से रकम निकालकर अपने परिचितों और रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर कर दी। इस तरह से आरोपियों ने कुल ₹45,92,250 की धोखाधड़ी की। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना धमधा में अपराध क्रमांक 182/2025 धारा 420, 34, 120-बी भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने पहले ही मुख्य आरोपी विकास सोनी और मधु पटेल को गिरफ्तार कर लिया था। जांच के बाद पुलिस ने गिरोह से जुड़े अन्य 6 आरोपियों- भागवत ठाकुर, हरिश्चंद्र यादव, मुकेश पटेल, बी. ईश्वर राव, जवाहर सोनी और हेमंत सिन्हा-को 5 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया।अब तक गिरफ्तार आरोपियों की सूची- 1. भागवत ठाकुर (65 वर्ष), निवासी ग्राम राहतादाह, धमधा2. हरिश्चंद्र यादव (35 वर्ष), निवासी यादव पारा, धमधा, मुकेश पटेल (25 वर्ष), निवासी ग्राम परसकोल, धमधा4. बी. ईश्वर राव (38 वर्ष), निवासी सेक्टर 06, भिलाई, जिला दुर्ग5. जवाहर सोनी (60 वर्ष), निवासी यादव पारा, धमधा 6. हेमंत सिन्हा (28 वर्ष), निवासी ग्राम डेहरी, थाना साजा, जिला बेमेतरा

सहकारी समिति कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल चौथे दिन भी जारी, धान खरीदी पर संशय

लोकतंत्र प्रहरी/दुर्ग। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल आज चौथे दिन भी जारी रही। प्रदेश भर के कर्मचारी सरकार की नई धान खरीदी नीति के विरोध में लामबंद हैं और अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। प्रदेश स्तर के संघ प्रमुखों ने गुरुवार को भी आंदोलन स्थल मानस भवन दुर्ग में पहुंचकर कर्मचारियों में ऊर्जा का संचार किया और उन्हें अपनी लड़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। सरकार की नई नीति से नाराजगी-दरअसल, प्रदेश सरकार ने इस वर्ष 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन मंडियों से धान का उठाव अप्रैल माह में किए जाने की बात कही है। सरकार के इस नीतिगत परिवर्तन ने सहकारी कर्मियों को नाराज कर दिया है। कर्मचारियों का तर्क है कि धान खरीदी के



बाद अप्रैल तक गोदामों में रखे-रखे धान सूख जाएगा, जिससे उसके वजन में कमी (परिवर्तन) आएगी। इस वजन परिवर्तन का सीधा खामियाजा समिति के कर्मचारियों को भुगतना पड़ सकता है। कर्मचारी संघ का कहना है कि सरकार



नीति परिवर्तन तो कर देती है, लेकिन उससे होने वाली व्यावहारिक दिक्कतों और कर्मचारियों को होने वाले संभावित नुकसान को पूरी तरह नजरअंदाज कर देती है। मांगें पूरी न होने तक जारी रहेगा

दुर्ग में राज्योत्सव समापन समारोह में गूगल बाय रुद्र शर्मा ने बिखेरा ज्ञान का जादू



दुर्ग। राज्योत्सव 2025 के समापन समारोह में शहरवासियों ने एक अनोखी प्रस्तुति देखी, जब ‘गूगल बाय रुद्र शर्मा’ ने अपने अद्भुत ज्ञान और प्रस्तुति से सभी को चकित कर दिया। मंच पर रुद्र शर्मा ने विभिन्न विषयों पर त्वरित और सटीक उत्तर देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रुद्र शर्मा की विलक्षण प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें शाल, श्रीपत्त और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में बड़ी संख्या में नागरिक, अधिकारी और छात्र उपस्थित रहे। सभी ने रुद्र शर्मा की प्रस्तुति को राज्योत्सव का सबसे आकर्षक और प्रेरणादायक क्षण बताया।